राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 09 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-377 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

मतदान अधिकारी पर लगा दिव्यांग का वोट डालने का आरोप, अखिलेश ने की तुरंत कार्रवाई की मांग

आगरा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार अति बुजुर्गों, दिव्यांगों को घर बैठे वोट डालने की सुविधा दी गई है। इसी के तहत रविवार को आगरा में 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग श्रेणी के मतदाताओं की डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई लेकिन पहले ही दिन एक मतदान अधिकारी पर दिव्यांग का वोट खुद डाल देने का आरोप लग गया। इसके बाद वहां बवाल मच गया। ग्रामीणों के हंगामे की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। इस मामले को लेकर सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने ट्वीट के जरिए सवाल खड़े किए। मौके का वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा कि 'बैलेट से वोट डलवाने में धांधली के मामले में एक प्रशासनिक अधिकारी का सरेआम ये कहना कि एक वोट से कुछ होता है क्या बेहद गंभीर मामला है। चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि ऐसे अधिकारियों को चिन्हित कर के तुरंत सस्पेंड किया जाए।' इसके पहले एक अन्य ट्वीट में अखिलेश यादव ने सपा कार्यकताओं से मतदान के दौरान निगरानी रखने का आह्वान किया था। बैलेट से वोट डलवाने में धांधली के मामले में एक प्रशासनिक अधिकारी का सरेआम ये कहना कि ह्वएक वोट से कुछ होता है क्याह्व बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने लिखा था- 'वृद्धों और दिव्यांगों से वोट डलवाने में धांधली के मामले में फतेहाबाद विधानसभा में पोलिंग पार्टी पर, मतदाता की इच्छा के विरूद्ध, खुद ही मनमाना वोट डालने का गंभीर आरोप लगा है।

भावुक हुए पीएम मोदी

आंखों में नमी, जुबां पर लड़खड़ाहट, पीएम ने विपक्ष पर कैसे साधा निशाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (सात जुलाई) को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। इस दौरान एक लम्हा ऐसा भी आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावुक हो गए। उनकी आंखों में नमी साफ नजर आई और जुबां लड़खड़ाने लगी, लेकिन विपक्ष पर निशाना साधने में उन्होंने कोई कमी नहीं छोड़ी। इस दौरान उन्होंने मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। साथ ही, सवाल पूछा कि क्या जनता का सुख-दुख आपका नहीं है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण के दौरान कहा, 'कोरोना काल में कांग्रेस के आचरण से पूरा देश अचंभित है। कुछ लोगों ने जिस तरह का व्यवहार किया है, लोग पूछ रहे हैं कि क्या लोगों का सुख-दुख आपका नहीं है। इतना बड़ा संकट आया, कई राजनीतिक दलों के नेता, जो जनता के माने हुए नेता हैं। उन्हें लोगों से अपील करनी चाहिए थी कि आप मास्क पहनें, दो गज की दूरी रखें। क्या ये बार-बार देश की जनता को कहते तो भाजपा-मोदी को क्या फायदा होता। लेकिन इतने बड़े संकट में भी वे पवित्र काम करने से चूक गए। इस दौरान पीएम मोदी भावुक हो गए। उनकी आवाज में लड़खड़ाहट महसूस

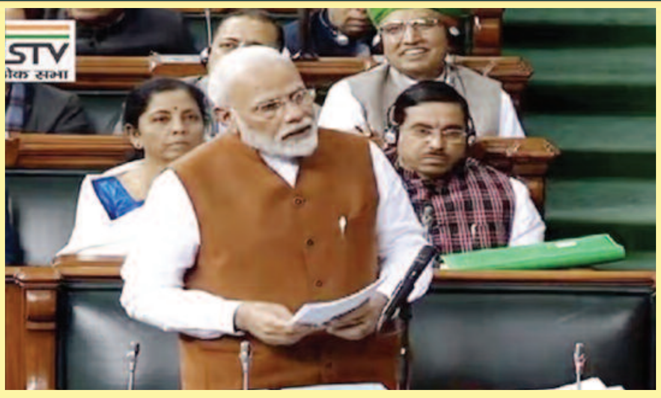

की गई। पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ लोगों को इंतजार था कि कोरोनावायरस मोदी की छवि को चपेट में ले लेगा। बहुत इंतजार किया। आए दिन आप लोग दूसरों को नीचा दिखाने के लिए महात्मा गांधी का नाम लेते हैं। महात्मा गांधी की स्वदेशी की बात है, उसे बार-बार दोहराने से कौन रोकता है। मोदी लोकल फॉर वोकल कहता है तो क्या आप नहीं चाहते कि देश आत्मनिर्भर बने। इसका नेतृत्व आप लीजिए।

महात्मा गांधी के निर्णय को आगे बढ़ाइए। क्या आप महात्मा गांधी के सपनों को सच होते नहीं देखना चाहते?' पीएम मोदी ने जब अपने भाषण की शुरूआत की तो विपक्ष के कुछ नेता बीच में बोलने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें शांत कराया तो पीएम मोदी ने चुटकी ले ली। उन्होंने कहा कि दादा को मत रोकिए। बीच-बीच में मौका देते रहना चाहिए, क्योंकि वह उम्र के इस पड़ाव में बचपना दिखाते रहते हैं। सदन में थोड़ी बहुत टोका टाकी ठीक है।

आदर्श ग्राम पंचायत योजना में तेलंगाना का दबदबा, 280 गांवों की सूची में टॉप पर

नई दिल्ली। तेलंगान केंद्र सरकार की सांसद आदर्श ग्राम पंचायत योजना को लागू करने में पहले नंबर पर है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से साल 2021 के लिए जारी नए रैंक के अनुसार तेलंगाना के सात गांव केंद्र सरकार की इस योजना को लागू करने वाले 10 ग्राम पंचायतों की सूची में शामिल हैं। वहीं, पूरी सूची में तेलंगाना के कुल 35 गांव शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में इस योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के अनुसार गांवो को आदर्श ग्राम पंचायत बनाया जाता है जिन्हें स्थानीय लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की ओर से अपनाया जाता है। मंत्रालय इन ग्राम पंचायतों को उनके समग्र विकास के आधार पर रैंक देता है, जिसमें ग्राम विकास योजना के कार्यान्वयन, बुनियादी सुविधाओं में सुधार, बेहतर आजीविका के अवसर दिए जाते हैं। 2021 में के कार्यान्वयन के लिए

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से कुल 280 गांवों का चयन किया गया था, जिनमें से तेलंगाना के 35 गांव शामिल हैं। जिले के करीमनगर के बेजजानकी ब्लॉक के गन्नेरुवरम गांव चौथे, निजामाबाद के कंडाकुर्ती गांव रंजल ब्लॉक पांचवें और करीमनगर के येलारेड्डी पेट ब्लॉक के वीरनापल्ली गांव छठे, उसी जिले के वीनावंका ब्लॉक के रामकृष्णपुर नौवें और निजामाबाद के थाना कुर्द को 10वें स्थान पर रखा गया है। मंत्री ने कहा, 'कुल मिलाकर, तेलंगाना के 35 गांव पूरे देश में 280 आदर्श ग्राम पंचायतों की सूची में शामिल हैं, जिसमें टॉप 20 में 11 गांव शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि आदर्श ग्राम पंचायतों के चयन के लिए जिन मापदंडों की पहचान की गई है।

कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में

सपा के साथ गठबंधन करना चाहिए था: ममता

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वोटों के बंटवारे को रोक सकता था। बनर्जी ने लखनऊ जाने से पहले सोमवार दोपहर कोलकाता हवाई अड्डे पर कहा, 'अच्छा होता अगर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एकजुट होकर लड़े होते। वोट बंट नहीं सकते थे। हमने अनुरोध किया लेकिन उन्होंने (कांग्रेस) नहीं सुनी।ह्व ममता बनर्जी अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान सपा के लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा, ‍ॅमैं अखिलेश यादव के लिए प्रचार कर रही हूं। उसने मुझे आमंत्रित किया। मैं चाहती हूं कि वह जीत जाएं।

उसके पास संगठनात्मक सेटअप है। मैं चाहती हूं कि बीजेपी हारे।' उन्होंने यह भी कहा कि टीएमसी पंजाब से लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, ₹मुझे पंजाब में दिलचस्पी है। हम वहां लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। मैंने कई बार राज्य का दौरा किया है।₹ मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक शिव मंदिर में पूजा करने और गंगा आरती देखने के लिए वाराणसी भी जाएंगी। यह पूछे जाने पर कि वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोकसभा क्षेत्र है, बनर्जी ने कहा, ह्वयह प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र हो सकता है। कोई भी कहीं भी जा सकता है।₹ रविवार को, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कोलकाता में कहा कि बंगाल की राजधानी में दूसरा हवाई अड्डा बनाने की केंद्र की योजना राज्य द्वारा भूमि उपलब्ध कराने में विफलता के कारण ठप हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने कहा, 'मुझे जमीन कहां से मिलेगी?

भगवान राम और आदिवासियों के बीच रिश्ते बताएगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस बार नर्मदा उत्सव पर 11 जिलों में निर्झरनी महोत्सव आयोजित किए जाएंगे। इस बार के नर्मदा उत्सव के दौरान सरकार लोगों को भगवान राम और आदिवासियों के बीच रिश्ते को बताएगी। निर्झरनी महोत्व के दौरान सरकार भगवान राम और आदिवासियों के बीच की अनूठी कड़ी को प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य के संस्कृति और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया, उत्सव के दौरान गोंड और बैगा जनजति के अलग-अलग नृत्य, आध्यात्मिक संगीत कार्यक्रम और अवधी संगीत कार्यक्रम होंगे। नर्मदा कथाओं पर आधारित आदिवासी चित्रों की प्रदर्शनी, रामायण में वर्णित वन-निवास पात्रों पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी भी दिखाई जाएगी। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से पहली बार शबरी और निषादराज पर नाटक प्रस्तुत किया जाएगा।

राज्य सरकार ने साल 2020 में शबरी, एक आदिवासी साध्वी और एक आदिवासी निषादराज पर रिसर्च करने का फैसला किया था। निषादराज ने वनवास के दौरान भगवान राम की मदद की थी। उन्होंने भगवान राम को गंगा नदी पार करने में मदद की थी। इसके साथ-साथ रिसर्च प्रोजेक्ट में आदिवासियों को उनके और भगवान राम के बीच संबंध के बारे में बताते हुए एक राम लीला तैयार करना भी शामिल था। संस्कृति विभाग द्वारा नियुक्त पटकथा लेखक योगेश त्रिपाठी ने पांच महीने के शोध के बाद आदिवासियों के लिए तीन राम लीलाओं की पटकथा तैयार की।

राहुल गांधी अनजान

उन्हें नहीं पता नेहरू के समय चीन ने कब्जाई शक्सगाम घाटी: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'चीन-पाकिस्तान' वाली टिप्पणी के लिए उन पर कटाक्ष किया और कहा कि विपक्षी नेता सरकार की निंदा करने के बीजिंग के एजेंडे पर विश्वास करते हैं। राजनाथ सिंह ने चीन-पाकिस्तान टिप्पणी पर राहुल गांधी की खिंचाई करते हुए कहा कि राहुल गांधी इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था। राजनाथ सिंह ने कहा, राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन-पाकिस्तान एक साथ आए हैं ... वह इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था। मुझे लगता है कि राहुल गांधी इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था। शक्सगाम घाटी सियाचिन ग्लेशियर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। ये खूबसूरत घाटी बाल्टिस्तान के उत्तर व गिलगित के पूर्व और चाइना के जिनजियाँग के दक्षिण में है लेकिन यहां भारतीय नहीं जा सकते। काराकोरम रेंज

और कुन लून पर्वत श्रृंखला के बीच शक्सगाम दुनिया के कुछ सबसे ऊँचे पहाड़ों से घिरी हुई है। वैसे तो भारत आधिकारिक रूप से इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, लेकिन 1963 से ये इलाका चीन के प्रशासन में है।इससे पहले उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में चुनाव प्रचार करते हुए, राजनाथ सिंह ने संसद में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को निशाना बनाते हुए गांधी के मजाक का जिक्र किया और राहुल गांधी पर अपने ही देश में चीनी मीडिया पर विश्वास करने का आरोप लगाया। गलवान घाटी संघर्ष के दौरान चीनी पक्ष द्वारा हताहतों की संख्या पर बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा, भारत सरकार पर राहुल गांधी के संदेह से पता चलता है कि वह चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट पर विश्वास करते थे। सिंह ने कहा, इसका मतलब है कि आप (राहुल गांधी) जो भी चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स कहता है, उसे स्वीकार करेंगे। रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के बयान की निंदा की और भारतीय जवानों की सराहना की जिन्होंने गलवान झड़प के दौरान एलएसी सीमा पर चीन की पीएलए से लड़ते हुए परम साहस और वीरता का परिचय दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोगों से भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील करते हुए कहा, अगर नया भारत बनाना है तो नए उत्तर प्रदेश की भी जरूरत है। शाहजहांपुर निर्वाचन क्षेत्र के कटरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने लोगों से समय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपना समर्थन देने की अपील की और ₹मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समर्थन करके उत्तर प्रदेश का भाग्य₹ बदलने के लिए अगले पांच वर्षों तक सत्ता में बनाए रखने की अपील की।

आतंक पर प्रहार: अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो दहशतगर्दों के घिरे होने की आशंका

जम्मू। कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस ऑपरेशन को अवंतीपोरा पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम अंजाम दे रही है। सूत्रों का कहना है कि एक से दो आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं। अवंतीपोरा पुलिस को नंबल इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के साथ

मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों की टीम ने आतंकियों को आत्मसमर्पण करने का मौका भी दिया, जिसे आतंकियों ने ठुकरा दिया। फिलहाल दोनों ओर से फायरिंग जारी है।

मुस्लिम हमारे लिए अछूत नहीं, हमारी विचारधारा हिंदुत्व से अलग है: अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली। भाजपा की सहयोगी अनुप्रिया पटेल ने सोमवार को साफ कर दिया कि उनकी पार्टी की विचारधारा हिंदुत्व से अलग है। अपना दल (एस) को सामाजिक न्याय के लिए खड़ा करने पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सोमवार को अपनी पार्टी को हिंदुत्व और उन सभी मुद्दों से अलग कर दिया और कहा कि यह वैचारिक रूप से भाजपा से अलग है। अपना दल (एस) प्रमुख ने 10 फरवरी से शुरू होने वाले सात चरणों के उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले दौर से तीन दिन पहले पीटीआई को बताया कि मुस्लिम

उम्मीदवार उनकी पार्टी के लिए अछूत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹हां, हम वैचारिक रूप से भाजपा से अलग हैं। लोग मुझसे हिंदुत्व और उन सभी मुद्दों पर सवाल पूछने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उन सभी मुद्दों से खुद को अलग करती हूं और मेरी पार्टी धार्मिक राजनीति नहीं करती है। हम सामाजिक न्याय के लिए खड़े हैं। यही हमारी विचारधारा है। अनुप्रिया पटेल ने कहा, ₹हमने हमेशा समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए काम किया है, चाहे वह सड़कों पर हो या संसद में। और यह हमारा दर्शन और हमारे संस्थापक सिद्धांत हैं और हम केवल इसी पर टिके हैं। अपना दल उत्तर प्रदेश में पिछले तीन चुनावों - 2014 और 2019 के आम चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की सहयोगी रही है। इसने इस बार अपने पहले मुस्लिम उम्मीदवार की घोषणा की है। कांग्रेस की दिग्गज नेता बेगम नूर बानो के पोते हैदर अली अपना दल (एस) द्वारा घोषित पहले मुस्लिम उम्मीदवार थे।

जेड श्रेणी सुरक्षा: सांसद ओवैसी ने अमित शाह का आग्रह भी ठुकराया, मामले को सीएए से जोड़ा

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जेड प्लस सुरक्षा लेने का गृहमंत्री अमित शाह का आग्रह भी ठुकरा दिया है। ओवैसी पर यूपी में हुए हमले को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को संसद में बयान दिया। अमित शाह के आग्रह के बाद भी ओवैसी ने सुरक्षा लेने से इनकार करते हुए इस सीएए के दौरान हुए आंदोलन से जोड़ दिया। ओवैसी ने कहा कि मेरी जिंदगी उन 22 लोगों से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है, जो सीएए प्रदर्शन के दौरान मारे गए। ओवैसी ने यह भी कहा कि मैं अपने चारों तरफ हथियारबंद लोगों को नहीं चाहता हूं। मैं एक स्वतंत्र पक्षी की तरह हूं और स्वतंत्र रूप से ही जीना चाहता हूं। अमित शाह ने उत्तर प्रदेश में गत दिनों असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हुए हमले को लेकर सोमवार को राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार की ओर से एक रिपोर्ट केंद्र को मिली है। ओवैसी पर हमले की घटना के बाद उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। जिसके तहत बुलेट प्रूफ कार के साथ ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। शाह ने कहा कि उन्हें मौखिक रूप से सूचना मिली है कि ओवैसी सुरक्षा लेने से इनकार कर रहे हैं, मगर उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्हें तत्काल सुरक्षा ले लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी तरह की घटना न हो। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पहले भी कई मौकों पर

केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की ओर से खतरे के आकलन के आधार पर ओवैसी को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मगर, ओवैसी की ओर से सुरक्षा लेने की अनिच्छा के कारण दिल्ली पुलिस और तेलंगाना पुलिस उन्हें सुरक्षा नहीं दे पाई। इससे पहले अमित शाह ने अपने बयान में कहा कि तीन फरवरी को शाम करीब 5:20 बजे ओवैसी मेरठ के किठौर से जनसंपर्क कार्यक्रम करने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। उसी दौरान जब उनका काफिला छिजारसी टोल प्लाजा से गुजर रहा था तो दो अज्ञात व्यक्तियों ने काफिले पर गोलियां चलाईं। इस घटना में ओवैसी को काई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उनके वाहन के निचले हिस्से में तीन गोलियों के निशान देखे गए। तीन लोगों ने इसकी पुष्टि भी की है। इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि ओवैसी का पूर्व से कोई कार्यक्रम तय नहीं था और न ही उनके आवागमन के बारे में कोई पूर्व सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को दी गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार उस व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है जो सहायता करने की भावना रखता है - अब्राहम लिंकन

संपादकीय

पाक को बुद्धू बना रहा चीन

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पेइचिंग के ओलंपिक समारोह में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी शामिल हुए। भारत ने उसका बहिष्कार कर रखा है। इसमें आशंका यह थी कि चीन पुतिन को पटाएगा और कोई न कोई भारत-विरोधी बयान उससे जरुर दिलवाएगा। ऐसा इसलिए भी होगा कि भारत आजकल अमेरिका के काफी नजदीक चला गया है और रूस व अमेरिका, दोनों ही यूक्रेन को लेकर आमने-सामने हैं। इसके अलावा इमरान खान भारत-विरोधी बयान पेइचिंग में जारी नहीं करवाएंगे तो कहां करवाएंगे? आजकल कश्मीर पर सउदी अरब, यूएई और तालिबान भी लगभग चुप हो गए हैं तो अब बस चीन ही एक मात्र सहारा बचा है लेकिन आप यदि चीन-पाक संयुक्त वक्तव्य ध्यान से पढ़ें तो आपको चीन की चतुराई का पता चल जाएगा। चीन ने अपना रवैया इतनी तरकीब से प्रकट किया है कि आप उसका जैसा अर्थ निकालना चाहें, निकाल सकते हैं। तीन-चार दशक पहले वह जिस तरह से कश्मीर पर पाकिस्तान का स्पष्ट समर्थन करता था, वैसा अब नहीं करता है। उसने यह तो जरुर कहा है कि कश्मीर समस्या का हल सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव, संयुक्तराष्ट्र घोषणा-पत्र और आपसी समझौतों से हल किया जाना चाहिए। इसका मतलब क्या हुआ? सुरक्षा परिषद के जनमत-संग्रह के प्रस्ताव को तो उसके महासचिव खुद ही अप्रासंगिक घोषित कर चुके हैं और कह चुके हैं कि आपसी समझौते के लिए बातचीत का रास्ता ही सर्वश्रेष्ठ है। मैं तो पाकिस्तान के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से हमेशा यही कहता रहा हूं कि युद्ध और आतंकवाद के जरिए कश्मीर को हथियाना आपके लिए असंभव है लेकिन भारत और पाकिस्तान आपस में मिल-बैठकर समाधान निकालें तो कश्मीर का हल निकल सकता है। इस चीन-पाक संयुक्तवक्तव्य के अगले पैरे में यही बात साफ-साफ कही गई है। यह साफ है कि किसी बाहरी महाशक्ति की दखलंदाजी का परिणाम कुछ नहीं होगा। उल्टे, वह राष्ट्र पाकिस्तान को बुद्धू बनाता रहेगा और अपना उल्लू सीधा करता रहेगा। चीन का यह कहना कि कश्मीर में 'एकतरफा कार्रवाई' ठीक नहीं है। यह सुनकर पाकिस्तान खुश हो सकता है कि चीन ने धारा 370 के खात्मे के विरुद्ध बयान दे दिया है। लेकिन चीन ने यहां गोलमाल भाषा का इस्तेमाल किया है। इस मुद्दे पर भी वह साफ-साफ नहीं बोल रहा है। अगर वह बोलेगा तो भारत उसके सिंक्यांग प्रांत के उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों रहेगा? जहां तक रूस का सवाल है पुतिन ने कोई लिहाजदारी नहीं बरती, चीन की तरह! उसने साफ़-साफ़ कह दिया कि कश्मीर द्विपक्षीय मामला है। दिल्ली के रूसी दूतावास ने एक बयान में यह भी स्पष्ट कर दिया कि 'रेडफिश चैनल' नामक एक रूसी चैनल के इस कथन से वह बिल्कुल भी सहमत नहीं है कि कश्मीर अब फिलस्तीन बनता जा रहा है। रूस का यह रवैया चीन के मुकाबले दो-टूक है लेकिन चीन के उलझे हुए रवैए का रहस्य यही है कि उसे पश्चिम एशिया और यूरोप तक रेशम महापथ बनाने के लिए पाकिस्तान को साधे रखना बेहद जरुरी है। यह रेशम महापथ 'कब्जाए हुए कश्मीर' में से ही होकर आगे जाता है।

अपनी गति है प्रकृति की

– हृदयनारायण दीक्षित

बसंत आ गया है। तिथि के हिसाब से ऋतुराज बसंत आगमन पर प्रबुद्धों में चर्चा जारी है, लेकिन वास्तव में बसंत की रूप, रस, गंध दिखाई नहीं पड़ती। वायु में मधु गंध नहीं है। आम वैसे नहीं बौराये जैसे हर बसंत में बौराते थे। कोयल भी वैसे नहीं गाती जैसे पहले बसंत के आगमन पर अपना तान पूरा लेकर गीत गाती थी। महुआ के पेड़ कट गये हैं। जहाँ-जहाँ बचे हैं, वहाँ-वहाँ महुआ के कूचे भी रसीले नहीं हैं। न सुंदर रूप, न मधु मस्त वायु, न गंध, न मदिर गंध और न ही मधुरस भरी पूरी वाणी है। बसंत के साथ हमारे अपने राज्य उत्तर प्रदेश सहित पाँच राज्यों में चुनाव भी हैं। बसंत में सबके हृदय रस पूर्ण होते हैं। वाणी मधुर हो जाती है, लेकिन चुनाव प्रचार ने वाणी को कटु बनाया है। नए-नए शब्द आ गए हैं। बसंत का रस चुनावी बयानबाजी के कारण तिक्त हो गया है। चुनाव लोकतंत्र का महापर्व होते हैं और एक नियत समय के बाद बार-बार होते हैं। ऐसे ही बसंत भी मधु रस लेकर हर बरस आता है। इस बार भोले बाबा शंकर को भी सुविधा है। बसंत में पूरी प्रकृति बासंती मदन गंध लेकर नहीं आई। वायु में मदन गंध नहीं है। भोले बाबा शिव को तीसरा नेत्र खोलने की जरूरत नहीं है। ये शिव ही तो हैं। उन्होंने बसंत के बिगड़ैले प्रभाव के विरुद्ध तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म कर दिया था। बताते हैं तब से कामदेव अनंग हो गये थे। शिव कृपा से वह सभी प्राणियों में अंग रहित होकर व्याप्त हैं। शिशिर की विदाई हो गई है। तो कामदेव बसंत के सारे उपकरण लेकर नहीं दिखाई पड़ते हैं। सोचता हूँ कि बसंत के पूरे लावलस्कर के साथ न आने का कारण क्या है? पंचांग बताता है कि बसंत आ गया, लेकिन प्रकृति में बसंत के उपकरण रूप, रस, गंध लेकर नहीं आये। जान पड़ता है कि प्राकृतिक नियमों के शासक वरुणदेव भी कहीं क्षुब्ध हैं। प्रकृति को नियम बंधनों में रखना उन्हीं की जिम्मेदारी है। ऋग्वेद के ऋषि बता गये हैं कि प्रकृति के नियमों को लागू करना वरुणदेव का ही काम है, लेकिन यहाँ बसंत की ऋतु में भी बार-बार वर्षा हो रही है। बसंत में सावन के मेघ। हमारे आवास के साथ सुन्दर पार्क है। गुलाब खिले हैं। गेंदा भी हंस रहा है। लेकिन बेमौसम की बरसात गुलाब की पंखुड़ियाँ तोड़ गई हैं। मेरा मन बार-बार प्रश्नाकुल होता है कि बसंत के खुलकर अपने मधुमय अस्त्र न चलाने का कारण क्या है? क्या चुनाव आचार संहिता ने बसंत को अपना प्रभाव फैलाने से रोक रखा है। पर्यावरणविद् कहेंगे कि यह प्रकृति के साथ मनुष्य द्वारा किये गये शोषण दुरुव्यवहार का परिणाम है। कुछ न कुछ जरूर हुआ है। ऐसा न होता तो सब तरफ बासंती मधुर गंध होती। सब तरफ रस होता। सब तरफ सौंदर्य नर्तन करता। जान पड़ता है कि प्रकृति की जीवन लीला में कुछ गड़बड़ी हो गयी है। जहाँ मधुरस होना चाहिए वहाँ रस नहीं है। जहाँ रूप सौंदर्य होना चाहिए वहाँ सौंदर्य नहीं है। जहाँ प्रेम गीत होने चाहिए वहाँ गीत नहीं है। बसंत सबका है। प्रकृति के प्रत्येक प्राणी का है। मैं बार-बार अपने भीतर और बाहर का बसंत खोजता हूँ, लेकिन निराशा हाथ लगती है। भीतर बसंत है नहीं। बाहर बसंत कैसे होगा? बसंत अस्तित्व की निरंतरता का प्रसाद है। यह प्रसाद बिना मांगे ही सबको मिलता रहा है। हम सब बसंत नहीं ला सकते हैं। प्रकृति द्वारा लाये गये बसंत का आनंद ले सकते हैं, लेते रहे हैं। खेतों में सरसों के फूल खिले हैं। बहुत दूर-दूर तक पीले रंग की चादर दिखाई पड़ती है। वह बसंत का स्मरण कराते हैं। सरोवर अब है नहीं। जहाँ है वहाँ कमल खिले हैं। कालीदास कमल फूल पर मोहित थे। मेघदूत में उन्होंने अनेकशः कमल गंध का उल्लेख किया है। उसके पहले अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में कमल की मधुर चर्चा है। कहा गया है कि सगंधा पृथ्वी की समूची गंध कमल के फूल पर उतर आई है और यही गंध देवों ने सूर्य की पुत्री सूर्या के विवाह में फैलाई थी। कमल जल में उगता है, लेकिन जल स्पर्श से अप्रभावित रहता है। मैं कमल का अनुरागी रहा हूँ। भारतीय परंपरा ने कमल को अतिरेकी प्यार दिया है। मेरे मन के भीतर और बाहर कमल गंध है। कमल के प्रति राग है, प्रीति है। कमल हमारी श्रुति स्मृति में छाया हुआ है। बसंत भी ऐसे ही छाया रहता है हर बरस। हमारा राग-अनुराग बार-बार संसार के आकर्षण में ले जाता है। संसार कर्तापन और भोक्तापन का परिणाम है। शंकराचार्य यही बता गये हैं। संसार आकर्षित करता है। हम सकाम कर्त्ता हो जाते हैं कर्तापन निश्चित ही भोक्तापन बनता है। पर हाथ कुछ नहीं लगता। मनुष्य संवेदनशील प्राणी है। वह प्रकृति को देखकर संवेदित होता है। मनुष्य क्या पशु, पक्षी भी प्रकृति से संवेदित होते हैं। वे आहाल्द में होते हैं, शोक में भी होते हैं। वे पतझड़ देखकर उदास होते हैं, बसंत देखकर आनंदमग्न होते हैं। महाप्राण निराला ने इसका शब्दचित्र बनाया- वर्ण गंध धर/मनमरन्द भर/ तरू-उर की अरुणिमा तरुणतर/खुली रूप-स्तर सपुरिसरा/ रंग गई पग-पग धन्य धरा। निराला से पहले कवि तुलसी के बसंत चित्रण में 'सृष्टि को ब्रह्ममय देखने वाले योगी भी कण-कण में स्त्री देखने लगे।' प्रकृति संवेदन जगाती है तो योग धरा रह जाता है। मुर्दे भी उठ पड़ते हैं। तुलसी कहते हैं- सीतल जागे मनोभाव मुएंहु मन वन सुभगता न परे कही/ सुगंध सुमन्द मारूत मदन अनल सखा सही/ विकसे सरन्हि बहु कंज गुंजल पुंज मंजुल मधुकदा/ कलहंस पिक सुक सरस रव करि गान नाचहिं अपसरा। तुलसी के भी बहुत पहले कालिदास भी बसंत और आम्रगंध में बौरा गए। उन्होंने 'कुमारसम्भव' में कहा, 'पवन स्वभाव से ही आग भड़काऊ है, बसंत कामदेव के साथ आया। उसने नई कोपलों के पंख लगाकर आम्र मंजरियों के बाण तैयार किए। आम्र मंजरियाँ खाने से नर कोकिल का सुर मीठा हुआ। उसकी कूक पर रूठी हुई स्त्रियाँ रूठना भूल जातीं।' पूर्वजों का अप्रतिम संवेदन और सौंदर्यबोध हजारों बरस प्राचीन राष्ट्र के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास का परिणाम है। बसंत का सौंदर्य हमारे रचे मानसिक संसार का परिणाम है। पीछे कुछ बरस से बासंती वायु रूप, रस, गंध का रथ लेकर नहीं आती। काल का पहिया इस मनोदशा को रौंदते हुये आगे निकल जाता है। उपनिषद के पुरखे बता गये हैं कि वह पूर्ण है, यह पूर्ण है, पूर्ण से ही यह पूर्ण निकला है। पूर्ण में पूर्ण घटावो तो पूर्ण ही बचता है। क्या स्वयं बसंत भी ऐसा होता है? उसे ऐसा होना भी चाहिए। बसंत भी उस पूर्ण से निकला हुआ इस पूर्ण का भाग है, लेकिन इसका गणित उस पूर्ण से भिन्न है। बसंत में बसंत घटावो तो बसंत नहीं बचता। बसंत नित्य नहीं है। आता है अपनी सेना लेकर और काल की गति का शिकार हो जाता है। जीवन की पूर्णता सत्य के साक्षात्कार में है। बसंत की पूर्णता में नहीं। जीवन की पूर्णता में सब सम्मिलित है, लेकिन हम सबका मन रीता है। जीवन एक प्रवाह है प्रकृति का। प्रकृति हमारे राग की प्रतीक्षा नहीं करती। प्रकृति की अपनी गति है। वह हमारी गति की प्रतीक्षा नहीं करती। हम काल क्रम में शिशु तरुण और वृद्ध होते जाते हैं। प्रकृति बूढ़ी नहीं होती है। हमारे अग्रजों ने बताया है कि प्रकृति की अपनी गति है। मनुष्य प्रकृति का भाग है, लेकिन स्वयं को अलग मानने के कारण अपने राग के अनुसार काम करता रहता है। कभी मनोवांछित फल मिलते हैं तो कभी निराशा। इसीलिए प्रतीक्षा को सुंदर गुण बताया गया है। आस्तिक प्रतीक्षा मनुष्य के चित्त को विचलित नहीं होने देती। बसंत भी इस वर्ष अपने पूरे रूप, रस, रंग में नहीं खिला तो शिकायत की कोई गुंजाइश नहीं है। वह हमारे बिना लाये ही आगे खिलेगा। कमल भी जैसे खिलते आये हैं वैसे और खिलेंगे। आस्तिकतापूर्ण प्रतीक्षा में ही आनंद के फूल खिलते हैं।

(विद्वान लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं)

उर्वरा विचार जो बदल दे तकदीर

रेनू सैनी

आज स्टार्टअप और नए विचारों को मंच प्रदान करने का स्वर्णिम दौर चल रहा है। जिस किसी के पास भी अनूठा विचार है, वह 'शार्क टैंक इंडिया' जैसे अनेक मंचों के माध्यम से न केवल देश अपितु विदेश में भी अपने उत्पाद से यश, धन और सम्मान प्राप्त कर सकता है। चिप्स इस समय बच्चों से लेकर बड़ों तक का पसंदीदा फास्ट फूड है। बातों-बातों में अनेक चिप्स के पैकेट खा लिए जाते हैं। पिकनिक से लेकर किसी भी कार्यक्रम स्थल पर चिप्स को आसानी से ले जाया जा सकता है। लेकिन ज्यादा चिप्स खाने से बच्चों व बड़ों में मोटापा घर कर जाता है। इसके साथ ही शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो जाती है। यह बात लगभग हम सभी जानते हैं, लेकिन इस समस्या को 'आकस्मिक लाभ' के दृष्टिकोण से सुलझाया अनीश बसु रॉय और सागर भालोटिया ने। इन्होंने 'शॉर्क टैंक इंडिया' में अपने स्नैक ब्रांड 'नेवर फाइड, नेवर बेक्ड' पॉप्ड आलू चिप्स का शानदार आइडिया प्रस्तुत किया। सागर और अनीश ने वर्ष 2019 में बैंगलोर स्थित स्टार्टअप-टैगजेड फूड ब्रांड की स्थापना की। यह ब्रांड पोषण को छोड़े बिना स्नैक्स के लिए लोगों की मांग को पूरा करती है और उन्हें समुचित पोषण भी प्रदान करती है। इन दोनों को यह विचार इसलिए आया कि चिप्स इन्हें भी बहुत पसंद थे। एक दिन अचानक इन्हें विचार आया कि कुछ ऐसा नहीं हो सकता कि चिप्स इस तरह से बनाए जाएं कि वे स्वाद के साथ-साथ पोषण में भी सब को आकर्षित करें। बस फिर इन्होंने नोटबुक में इस विचार को नोट कर लिया और उसी दिशा में जुट गए। इसी तरह बिहार के भागलपुर जिले के नया टोला दुधेला निवासी निक्की कुमार झा ने अपने गृह जिले के किसानों के लिए 'सब्जी कोठी' नामक आविष्कार तैयार किया है। इससे किसानों की फसलों को सुरक्षित रखने में आसानी हो रही है। पहले इसके लिए उन्हें कोल्ड स्टोरेज जाना पड़ता था। 'सब्जी कोठी' में फ्रिज के बजाय बिजली की खपत भी काफी कम होती है और इसमें सब्जियों व फलों को तीन से 30 दिन तक ताजा रखना आसान हो गया है। निक्की कुमार झा जब किसानों के सब्जी, फलों को सड़ता हुआ देखते थे तो उन्हें बहुत दुख होता था। एक दिन उन्हें भी यह विचार आया कि क्यों न कुछ ऐसा किया जाए, जिससे सब्जी व फलों को कम लागत पर अधिक समय तक ताजा रखा जा सके। ये दोनों ही खोज देश में तेजी से प्रसिद्ध हो रही हैं। ये दोनों ही स्टार्टअप 'आकस्मिक लाभ' से आरंभ हुए। निःसंदेह विज्ञान की खोजों ने व्यक्ति के जीवन को बेहद सरल बना दिया है। अनेक सुविधाएं आज व्यक्ति के केवल एक बटन दबाने पर काम करना प्रारंभ कर देती हैं। विज्ञान के अनेक महत्वपूर्ण आविष्कार वैज्ञानिकों की जीवनभर की मेहनत थे तो कुछ आविष्कार ऐसे भी थे जो वैज्ञानिकों के मस्तिष्क में तब उर्वर हुए जब वे सो रहे थे, स्वप्न देख रहे थे, यात्रा कर रहे थे या किसी से वार्तालाप कर रहे थे। इन आविष्कारों ने मूर्त रूप तब लिया जब आविष्कारकों ने उन्हें एक स्वरूप प्रदान कर विश्व के सामने प्रस्तुत किया। तनावरहित ध्यान के पल, जब कोई अप्रत्याशित चीज मानसिक परिवेश में प्रवेश कर जाती है और एक नए व उर्वर संबंध को प्रेरित कर देती है। ऐसे संयोगवश जुड़ावों और खोजों को ही 'आकस्मिक लाभ' के नाम से जाना जाता है। यानी कि किसी ऐसी चीज का होना, जिसकी आशा नहीं की जा रही थी लेकिन अचानक मस्तिष्क में उपजे एक विचार ने उसे प्रत्यक्ष कर दिया। ईश्वर ने सभी व्यक्तियों को बुद्धि और कल्पना करने की शक्ति प्रदान की है। इस अद्भुत शक्ति से ही प्रत्येक व्यक्ति 'आकस्मिक लाभ' की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। आकस्मिक लाभ के लिए दो कदम उठाए जाने अनिवार्य हैं :- पहला कदम है, अपनी खोज को यथासंभव अधिकतम बड़ा और विस्तीर्ण कर लेना। जब हम दिमाग में किसी कार्य को करने की ठान लेते हैं तो हमारा अवचेतन मन उस तरह की अनेक स्थितियां और परिस्थितियां हमारे सामने उजागर करता रहता है और हम परिणाम तक पहुंच जाते हैं। हमारा मस्तिष्क सूचनाओं की विविधता से लगातार रोमांचित और प्रेरित होता रहता है। इस तरह कुछ समय बाद हमारे दिमाग की मानसिक गति ऐसी बन जाती है, जिससे वह छोटी से छोटी संयोगवश घटना से भी उर्वर विचार को जन्म दे देता है और यही उर्वर विचार आगे चलकर स्टार्टअप का रूप ले लेता है। 'आकस्मिक लाभ' के लिए दूसरा कदम है भावना का खुलापन और लचीलापन कायम करना। कई बार व्यक्ति खोज के पलों के बीच राहत के पल भी तलाश लेता है। इनमें पैदल चलना, कुछ गुनगुनाना, किसी से बात करना, हंसना, झपकी लेना, सपने देखना आदि शामिल है। राहत के पलों में कई बार अचानक ही ऐसा उर्वर विचार दिमाग में कौंध जाता है, जो बहुत बड़े आकस्मिक लाभ का जन्मदाता बन जाता है। 'आकस्मिक लाभ' की आदत प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर डाल सकता है और अनेक उर्वर विचारों को स्टार्टअप का रूप दे सकता है। इसके लिए ज्यादा कुछ नहीं करना है बस छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना है मसलन, जिस पल कोई विचार, हल या विषय आए, उसे तुरंत नोट कर लें। साथ ही विचार से जुड़े कोटेशन, रेखाचित्र व उससे संबंधित हर चीज को नोट कर लें। किसी अनुपयोगी विचार को भी ध्यान से पढ़ने पर कई बार उसमें से भी सृजनात्मक स्टार्टअप का तरीका निकल आता है।

आज के कार्टुन

नकारात्मक भाव

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चारों ओर प्रकाश व्याप्त होने पर भी व्यक्ति अंधकार का रोना रो सकता है और अंधेरा-अंधेरा चीखता-चिल्लाता रह सकता है। इसके मात्र दो ही कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि व्यक्ति किसी तंग कोठरी में चारों ओर से बंद दरवाजों और खिड़कियों के भीतर हो। उस स्थिति में बाहरी प्रकाश की, सूर्य देवता की एक भी किरण उस तक नहीं पहुंच सकती। दूसरा कारण व्यक्ति का दृष्टिहीन होना हो सकता है। इन दो कारणों को छोड़कर तीसरा कोई कारण नहीं है कि व्यक्ति अंधकार से दुखी और संतप्त रहे। मनुष्य के जीवन में भी इसी प्रकार दुख और वेदना का कोई अस्तित्व नहीं है। अंधकार एक नकारात्मक सत्ता है, प्रकाश का अभाव है। यह प्रकाश कई बार परिस्थितियों के कारण भी लुप्त हो जाता है, किंतु वैसी स्थिति में परमात्मा ने मनुष्य को वैसी क्षमता दे रखी है कि वह उनका उपयोग कर प्रकाश के अभाव को दूर कर सके। लेकिन अंधकार को देख-देख कर ही जिसे भयभीत होते रहना हो, संतप्त और दुखी रहना हो, तो उसके लिए अंधकार से मुक्त होने का कोई उपाय नहीं है। दुख भी अंधकार के समान नकारात्मक भाव है। उसका कोई अस्तित्व नहीं है। व्यक्ति अपनी भ्रांतियों, गलतियों और त्रुटियों की तंग कोठरी में बंद होकर चारों ओर खिले हुए सुख और आनंद से वंचित रहे, तो इसमें परमात्मा का कोई दोष नहीं है। उसने तो सृष्टि में चारों ओर सुख, आनंद और प्रफुल्लता का प्रकाश बिखेर रखा है। अपनी भ्रांतियों और त्रुटियों की दीवारों में, समझ और दर्शन के दरवाजों, खिड़कियों को बन्द कर कृत्रिम रूप से अंधकार पैदा किया जा सकता है। प्राय- जो दुखी, संतप्त, व्यथित और वेदनाकुल दिखाई देते हैं, उनकी पीड़ा के लिए बाहरी कारण नहीं, अपनी संकीर्णता की दीवारें उत्तरदायी हैं। परिस्थितिवश कोई समस्या या कठिनाई उत्पन्न हो जाए, तो उसके लिए भी शोध करना आवश्यक नहीं है। परमात्मा ने अंधकार को दूर भगाने की तरह मनुष्य को उन समस्याओं और कठिनाइयों को सुलझाने की क्षमता दे रखी है। वह उस क्षमता का उपयोग कर अपने लिये सुख और आनंद का मार्ग खोज सकता है और दुख रूपी अंधकार को दूर हटा सकता है। बहुधा लोग दुख और सुख के संबंध में दृष्टिभ्रम के शिकार होते हैं। परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति यदि सुलझे और सुथरे दृष्टिकोण वाला हो, तो बुरे हालात में भी सुखी व आनंदित रह सकता है।

सू-दोकू नवताल -2041

	1	6		4			7	
	4	5	8					3
		8		9	6	1		
8	3			5	4	2	6	7
	5	9		3		8	1	
4	6	7	2	1			5	9
		2	1	8		4		
1					5		9	
	9			2		5	8	

सू-दोकू -2040 का हल

8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2041

1		2			3		4		5
				6					
7	8			9		10		11	
			12			13			
14	15				16			17	
18			19				20		
		21			22				
23			24	25			26		27
		28				29			
30					31			32	

बायें से दायें:-

1. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
3. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-3
6. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
7. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-3
9. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-3
11. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-2
12. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-2
13. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-2
15. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2
16. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
18. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-2
19. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-3
20. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-3
21. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-3
22. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
23. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-2
24. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-3
29. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-2
30. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-4
31. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-2
32. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-3
2. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-3
3. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-3
4. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
5. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-4
6. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-3
8. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-2,3
14. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2,4
16. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
27. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-2
29. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2040

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	त्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

अडाणी ने मुंबई में डेटा सेंटर शुरू करने इकाई बनाई

नई दिल्ली । देश के प्रमुख कारोबारी में से एक अडाणी समूह ने मुंबई में एक डेटा सेंटर शुरू करने के लिए नई सहायक कंपनी बनाई है। उद्योगपति कारोबारी गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह ने डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए देश में आधा दर्जन शहरों की पहचान की है, जिसमें मुंबई एक है। अडाणी समूह की फर्म ने शेयर बाजार को बताया कि अडाणी एंटरप्राइजेज और एजकॉनेक्स यूरोप बीवी के 50-50 हिस्सेदारी वाले संयुक्त उद्यम अडाणीकोनेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने चार फरवरी को पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई मुंबई डेटा सेंटर लिमिटेड को गठित किया। नई इकाई डेटा केंद्रों, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाओं (आईटीईएस), क्लाउड के विकास, संचालन, रखरखाव से संबंधित सेवाएं देने का कार्य करेगी।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा- तांबे की ट्यूब, पाइप आयात पर प्रतिपूर्ति शुल्क लगना चाहिए

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से आयातित तांबे की ट्यूब और पाइप पर पांच साल के लिए प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने की सिफारिश की है। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य इन देशों से सब्सिडी वाले आयात से घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है। मंत्रालय की अन्वेषण इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच के बाद अपने निष्कर्षों में कहा कि यह जांच स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई थी और इसमें दिलचस्पी रखने वाले सभी हितधारकों को इस बारे में सूचित किया गया था। डीजीटीआर ने कहा कि घरेलू उद्योग, इन देशों के दूतावास, आयातक और निर्यातकों समेत सभी हितधारकों को सब्सिडी, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में सकारात्मक सूचना मुहैया कराने का पर्याप्त अवसर दिया गया। महानिदेशालय ने अधिसूचना में कहा कि सब्सिडी प्रदान करने, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच करने के बाद प्राधिकरण का यह मानना है कि प्रतिपूर्ति शुल्क लगाना आवश्यक है। यह शुल्क पांच वर्ष तक लगाने की अनुशंसा की गई है। डीजीटीआर ने कहा कि भारत में खपत की तुलना में आयात बहुत अधिक बढ़ गया है। प्रस्तावित शुल्क लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) मूल्य के 2.3 प्रतिशत से 14.76 प्रतिशत के बीच है। शुल्क लगाने के बारे में ओ खिरी निर्णय वित्त मंत्रालय करेगा।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में तेजी, बिटकॉइन 42 हजार डॉलर के पार

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। जहां बिटकॉइन 42 हजार डॉलर के पार कारोबार कर रहा है। वहीं दूसरी ओर एलन मस्क की क्रिप्टोकरेंसी शिबा इनु में आज 27 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर भारतीय बाजारों में भी बिटकॉइन की कीमत 33 लाख रुपए के पार पहुंच गई है। जबकि शिब, डॉगेकॉइन की कीमत में 7 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिल रहा है। आपको बता दें कि बीते तीन से चार दिनों में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में अच्छा माहौल देखने को मिल रहा है। जिससे निवेशकों में थोड़ी उम्मीदें जग गई हैं। बिटकॉइन की कीमत 40,000 डॉलर के लेवल करने के बाद 42,500 के निशान से ऊपर कारोबार कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय डिजिटल करेंसी 2.5 फीसदी से अधिक की तेजी के साथ 42,504 पर कारोबार कर रहा था। बिटकॉइन अब तक 2022 में लगभग 9 फीसदी नीचे है, जबकि यह अभी भी नवंबर 2021 में 69,000 के अपने रिकॉर्ड उच्च लेवल से 39 फीसदी दूर है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2 ट्रिलियन से ऊपर बढ़ गया। इथेरियम 21 जनवरी के बाद पहली बार 3,000 डॉलर के स्तर से ऊपर बढ़ा। डिजिटल टोकन 3,025 डॉलर पर मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह बाइनेंस कॉइन 424 डॉलर पर आ गया। डॉगकोइन की कीमत 8 फीसदी से बढ़कर 0.16 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु 27 फीसदी से अधिक बढ़कर 0.00029 हो गई। शेयरों में रिकवरी ने शुक्रवार को अन्य सूचीबद्ध क्रिप्टो संपत्तियों को बढ़ावा दिया।

आईओसी में पहली बार किसी महिला फंक्शनल डाइरेक्टर ने पदभार संभाला

नई दिल्ली ।

फॉर्च्यून 500 ग्लोबल लिस्ट में शामिल इंडियन ऑयल में पहली बार किसी महिला डाइरेक्टर ने ज्वाइन किया है। यह सम्मान शुक्ला मिस्त्री को मिला है।

उन्होंने आईओसी के डाइरेक्टर` रिफाइनरी का पदभार संभाल लिया है। वह चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और 60 एमएमटीपीए की रत्नागिरी रिफ़ाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक का पद भी संभालेंगी। महाराष्ट्र में स्थापित होने वाली रत्नागिरी रिफ़ाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड दुनिया की सबसे बड़ी ग्रास रूट रिफ़ाइनरी परियोजना है। मिस्त्री तीन सीपीएसयू की एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी, आईएचबीएल के बोर्ड में भी नॉन एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर के पद पर बनी रहेंगी। इंडियन ऑयल की निदेशक (रिफ़ाइनरीज़) के रूप में मिस्त्री इंडियन ऑयल की नौ रिफ़ाइनरियों और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों के व्यवसाय और संचालन का नेतृत्व करेंगी। एक मजबूत रिफ़ाइनरीज़ डिवीजन के साथ इंडियन ऑयल (समूह कंपनियों सहित) 80.55 मिलियन टन प्रति वर्ष (1.64 मिलियन बैरल प्रति दिन) की समूह शोधन क्षमता के साथ राष्ट्र का शीर्ष रिफ़ाइनर बना हुआ है। मिस्त्री ने कलकत्ता यूनिवर्सिटी के बंगाल इंजीनियरिंग कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग डिग्री के साथ-साथ आईसीएफ़एआई से प्रबंधन में एडवांस डिप्लोमा और औद्योगिक रेडियोग्राफी और अल्ट्रासोनिक गैर-विनाशकारी परीक्षण में प्रमाणन भी प्राप्त किया है।

निदेशक (रिफ़ाइनरीज़) का पदभार संभालने से पूर्व वह बिहार में बेगूसराय जिले बरौनी में इंडियन ऑयल की 6.0 एमएमटीपीए की शोधन क्षमता वाली बरौनी रिफ़ाइनरी का नेतृत्व करने वाली एकमात्र महिला कार्यपालक निदेशक और रिफ़ाइनरी प्रमुख थीं।

अशोक लीलैंड बांग्लादेश को 200 ट्रकों की आपूर्ति करेगा

मुंबई । वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लीलैंड पीएम मोदी द्वारा घोषित दो अरब डॉलर की ऋण सहायता के तहत बांग्लादेश सरकार को 200 ट्रकों की आपूर्ति करेगा।कंपनी ने कहा कि इस ऑर्डर के तहत 135 ट्रकों को पहले ही बांग्लादेश पहुंचाया जा चुका है। कंपनी ने कहा कि उसने बांग्लादेश सरकार द्वारा 135 पूरी तरह से निर्मित ट्रकों के लिए बोली जीती थी। इसमें 3टी ट्रक, हाइड्रोलिक बीम लिफ्टर और सीवरेज सॉकर शामिल हैं। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता ने कहा कि इन ट्रकों को बांग्लादेश के सड़क और राजमार्ग विभाग को सौंप दिया गया है।

एएमओ इलेक्ट्रिक बाइक्स ने स्कूटर जोंटी प्लस पेश किया

नई दिल्ली ।

एएमओ इलेक्ट्रिक बाइक्स ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर जौंटी प्लस पेश कर दिया है। दिल्ली में इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की एक्स-शोरूम कीमत 1.10 लाख रुपए है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि जोंटी प्लस में 60वॉट/40 एम्प घंटे की लिथियम बैटरी दी गई है। यह स्कूटर एक बार चार्ज होने पर 120 किलोमीटर तक चल सकता है और इसे 100 प्रतिशत चार्ज होने में चार घंटे का समय लगता है। कंपनी के अनुसार जोंटी प्लस इलेक्ट्रिक स्कूटर क्रूज़ कंट्रोल स्विच, इलेक्ट्रॉनिक असिस्टेड ब्रेकिंग सिस्टम (ईएबीएस) और एंटी-थेफ्ट अलार्म जैसी सुविधाओं से लैस है। इसके अलावा स्कूटर में साइड स्टैंड सेंसर, सेंट्रल लॉकिंग, फ्रंट डिस्क ब्रेक, 01 डीआरएल लाइट्स और जमीन से सतह से अच्छी उचाई दी गई है। कंपनी ने कहा कि नया इलेक्ट्रिक स्कूटर 15 फरवरी से 140 डीलरशिप केंद्रों पर उपलब्ध होगा।

एलआईसी दुनिया की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ही नहीं, रिटर्न मामले में भी नंबर वनः रिपोर्ट

एलआईसी शेयर बाजार में अपना आईपीओ लाने के लिए जोर-शोर से कर रही है तैयारी

मुंबई ।

एलआईसी के रिटर्न को लेकर एक रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी सिर्फ होम-मार्केट शेयर में ही दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी नहीं है बल्कि रिटर्न ऑन एसेट्स में भी कंपनी नंबर-1 है। साल 2020 तक ग्रॉस रिटेल प्रीमियम में एलआईसी की हिस्सेदारी 64.1 प्रेतिशत थी। जबकि रिटर्न ऑन एसेट्स में कंपनी 82 प्रेतिशत रिटर्न दे रही है। इसके साथ ही एलआईसी लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम के मामले में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। हालांकि पिछले कुछ साल में एलआईसी का मार्केट शेयर घटता जा रहा है। 2000 से पहले तक कंपनी का मार्केट शेयर करीब 100 प्रेतिशत था। साल 2016 तक यह घटकर 71.8 और 2020 तक गिरकर 64.1 प्रेतिशत पर आ गया है। वैसे इस दौरान एसबीआई लाईफ का मार्केट शेयर बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 में एसबीआई लाइफ की हिस्सेदारी सिर्फ 5 प्रेतिशत थी जो 2020 में बढ़कर 8 पहुंच गई है। यह रिपोर्ट नवंबर 2021 में तैयार की गई थी लेकिन तब यह सार्वजनिक नहीं हो पाई थी। गौरतलब है` कि दुनिया की प्रमुख 10 बीमा कंपनियों में भारतीय कंपनी एलआईसी भी शामिल है। इस सूची में 5 इंश्योरेंस कंपनियां चीन की हैं, जिसमें पिंग दुनिया का सबसे ज्यादा वैल्युएबल इंश्योरेंस ब्रांड है। वहीं अमेरिका की दो और फ्रांस, जर्मनी व भारत की एक-एक कंपनी शामिल हैं। भारत की सबसे बड़ी शेयर सेल करने जा रही एलआईसी 8.656 अरब डॉलर (लगभग 64,722 करोड़ रुपए) की वैल्युएशन के साथ देश का सबसे मजबूत और सबसे बड़ा ब्रांड है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके साथ ही यह दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत इंश्योरेंस ब्रांड भी है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद कम

होम लोन, कार लोन और ईएमआई में मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दरें बरकरार रख सकता है। आरबीआई ने कहा कि वह ऐसा मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के मद्देनजर कर सकता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक सोमवार 7 फरवरी से शुरू होनी वाली थी, लेकिन लता मंगेशकर के निधन पर महाराष्ट्र में सोमवार को अवकाश घोषित किए जाने के चलते बैठक की तारीख को बढ़ा दिया गया है। अब यह बैठक 8 फरवरी से शुरू होगी और 10 फरवरी तक चलेगी। बजट के तुरंत बाद होने वाली इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) नीतिगत रुख को उदार से तटस्थ में बदल सकती है। साथ ही नकदी के सामान्यीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में रिवर्स-रेपो दर में बदलाव कर सकती है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि बजट में वृद्धि को लेकर दिए गए आश्वासन और कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका को देखते हुए रिजर्व बैंक रिवर्स रेपो दर में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि करके सामान्यीकरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि अगले वर्ष इसमें 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में 0.25 फीसदी का बदलाव कर सकता है। एमपीसी की पिछली बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी। तब केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को चार प्रतिशत पर बरकरार रखा था। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के इरादे से केंद्रीय बैंक ने लगातार नौवीं बार नीतिगत दर को रिकॉर्ड निचले स्तर पर कायम रखने का फैसला किया था।

आरबीआई ने एमपीसी की बैठक आठ तक टाली

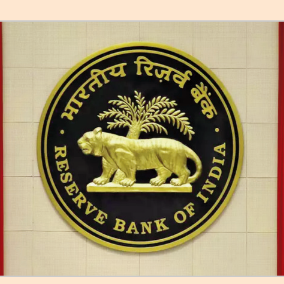

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र सरकार के सात फरवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का कार्यक्रम बदलने की रविवार को घोषणा की। महाराष्ट्र सरकार ने सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन के कारण अवकाश घोषित किया है। पहले यह बैठक सात से नौ फरवरी 2022 को होनी थी। अब यह बैठक आठ फरवरी को होगी और बैठक के नतीजे 10 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। आरबीआई ने देर शाम एक बयान में कहा` कि महाराष्ट्र सरकार के भारत रत्न दिवंगत मंगेशकर के सम्मान में सात फरवरी 2022 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण एमपीसी की बैठक का कार्यक्रम बदलकर अब आठ से दस फरवरी 2022 कर दिया गया है।

भारतीय जीवन बीमा निगम फिर से दे रहा है अपनी बंद पॉलिसी रिवाइव करने का मौका

मुंबई ।

कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में निरंतर रिस्क कवर देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चालू वित्त वर्ष में दूसरी बार बंद पड़ी पॉलिसी को एक बार फिर से रिवाइव करने का मौका दे रहा है। पर्सनल लैप्स पॉलिसी के लिए 7 फरवरी से 25 मार्च 2022 तक एक स्पेशल रिवाइवल कैंपेन शुरू किया गया है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भुगतान किए गए कुल प्रीमियम के आधार पर टर्म इंश्योरेंस और हाई रिस्क स्कीम के अलावा लेट फीस में रियायतें दी जा रही हैं। चिकित्सा आवश्यकताओं पर कोई रियायत नहीं है। बीमाकर्ता ने कहा कि योग्य स्वास्थ्य और छोटी बीमा योजनाएं भी विलंब शुल्क में रियायत के लिए योग्य हैं। इस स्पेशल रिवाइवल कैंपेन के तहत विशिष्ट पात्र योजनाओं की पॉलिसियों को कुछ नियमों और शर्तों के अधीन पहले अवैतनिक प्रीमियम की तारीख से पांच साल के भीतर पुनर्जीवित किया जा सकता है। हाई रिस्क स्कीम्स जैसे टर्म इंश्योरेंस और मल्टीपल रिस्क पॉलिसी आदि रियायत की पात्र नहीं हैं। ऐसी पॉलिसीज जो प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान लैप्स्ड स्थिति में हैं और पॉलिसी अवधि में पूरी नहीं की गई, इस कैंपेन में रिवाइवल होने के लिए पात्र हैं। एलआईसी ने कहा कि यह कैपेन उन पॉलिसी धारकों के लाभ के लिए शुरू किया गया है जिनकी पॉलिसी समाप्त हो गई है क्योंकि वे अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण समय पर प्रीमियम का भुगतान करने में सक्षम नहीं थे। जबकि वर्तमान कोविड -19 महामारी परिदृश्य ने मृत्यु सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया है, यह कैंपेन एलआईसी के पॉलिसीधारकों के लिए अपनी पॉलिसीज को फिर से जिंदा करने, जीवन कवर को बहाल करने और अपने परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक अच्छा अवसर है।

सेंसेक्स ने लगाया 1,024 अंक का गोता, निफ्टी 303 अंक टूटा

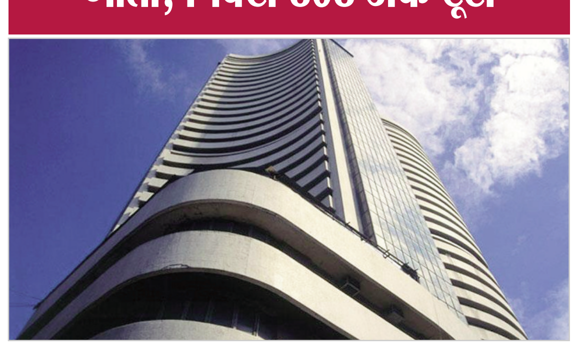

मुंबईः

बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 1,024 अंक का गोता लगाकर 58,000 अंक के नीचे बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बावजूद बैंक और वित्तीय शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बाजार से पूंजी निकासी जारी रहने को लेकर चिंता से भी बाजार धारणा पर असर पड़ा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से बाजार कमजोर खुला। हालांकि, दोपहर के कारोबार में बिकवाली दबाव बढ़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,023 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,621.19 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 302.70 अंक यानी 1.73 प्रतिशत लुढ़ककर 17,213.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक 3.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एचडीएफसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी और कोटक बैंक में भी प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गयी। दूसरी तरफ पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एसबीआई और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। इनमें 1.88 प्रतिशत तक की तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में 25 नुकसान में जबकि पांच लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

जीएसटी के दायरे में आ सकता है विमान ईंधन

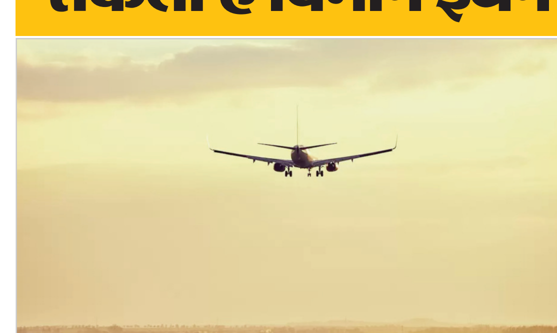

मुंबई ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में केंद्र सरकार विमान ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के मुद्दे पर चर्चा करेगा। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की बढ़ती कीमतें चिंता का विषय हैं। एक जुलाई 2017 को जब जीएसटी प्रणाली लागू की गई थी तब केंद्र और राज्यों के दर्जनभर से अधिक लेवी, पांच जिंस- कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ इसके दायरे से बाहर रखे गए थे। सीतारमण ने हाल ही में एसोचैम के साथ बजट-बाद परिचर्चा में कहा कि एटीएफ को जीएसटी में शामिल करने के बारे में ओ खिरी फैसला परिषद लेगी। उन्होंने कहा कि यह केवल केंद्र के हाथों में नहीं है, इसे जीएसटी परिषद के पास भेजा जाएगा। परिषद की अगली बैठक के विषयों में इसे शामिल किया जाएगा ताकि इस पर चर्चा हो सके। वित्त मंत्री स्पाइसजेट के संस्थापक अजय सिंह के विचारों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं जिनमें सिंह ने एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री से समर्थन मांगा था। सिंह ने कहा था कि तेल 90 डॉलर पर पहुंच गया, डॉलर के मुकाबले रुपया 75 के स्तर पर है, ऐसे में नागर विमानन क्षेत्र बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए आपका समर्थन बहुत मददगार होगा। अभी केंद्र सरकार एटीएफ पर उत्पाद कर लगाती है जबकि राज्य सरकारों इस पर वैट लगाती हैं। तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ये कर भी बढ़ाए गए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा को चालू वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत ऋण वृद्धि की उम्मीद

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष में 7-10 प्रतिशत की ऋण वृद्धि हासिल करने के लक्ष्य को लेकर चल रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ संजीव चड्ढा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में अग्रिमों के 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। बैंक का सकल घरेलू ऋण दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही में सालाना 3.36 प्रतिशत की दर से बढ़कर 6,54,315 करोड़ रुपए था। हालांकि, इससे पिछली तिमाही के मुकाबले घरेलू ऋण वृद्धि पांच प्रतिशत रही। चड्ढा ने कहा कि जहां तक अग्रिमों का संबंध है, बैंक ने पहली तिमाही में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के चलते कुछ चुनौतियों का सामना किया, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें सुधार हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का सम्मान करेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) स्वदेश पहुंचने पर अंडर-19 विश्व कप खिताब विजेता भारतीय टीम का सम्मान करेगा। इससे पहले बीसीसीआई ने टीम के प्रत्येक संदस्य को 40 लाख रुपये, जबकि सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की थी। भारतीय टीम एम्सटर्डम और बेंगलुरू होते हुए अहमदाबाद पहुंचेगी। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, लड़कों का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा और उन्होंने आराम करने का बेहद कम समय मिला है। भारत पहुंचने के बाद उन्हें आराम करने का कुछ अवसर मिलेगा। फाइनल में जीत दर्ज करने के बाद टीम एंटीगा से ग्याना रवाना हुई, जहां भारतीय उच्चायुक्त केजे श्रीनिवास ने उन्हें सम्मानित किया। भारतीय खिलाड़ियों को इस समारोह में वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस के साथ मुलाकात का भी अवसर मिला।

फ्रांस के खिलाफ मुकाबले के साथ नए मिशन की शुरूआत करेगा भारत

पोचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग अभियान के शुरुआती मैचों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और फ्रांस से भिडने़ के लिए तैयार है। दुनिया की नंबर 3 टीम दोनों टीमों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इस दौरान उसका लक्ष्य 2022 सीजन की सकारात्मक शुरुआत करना है। उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हम वास्तव में उत्साहित हैं ... हम अपने सीजन की शुरुआत दो मजबूत टीमों के खिलाफ खेल कर करेंगे, इसलिए यह अच्छा है। हमारा ध्यान मोमेनटम हासिल करने और सकारात्मक शुरुआत करने पर है, क्योंकि हम इस साल कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहे हैं। प्रो लीग मैच हमें बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करने में मदद करेंगे।

गौरतलब है कि भारत अपना पहला मैच 8 फरवरी को फ्रांस के खिलाफ खेलेगा। पिछली बार दोनों टीमों का आमना-सामना 2015 में बेल्जियम में हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल में हुआ था, जिसमें भारत ने 3-2 से मैच जीता था। फ्रांस के बारे में बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा- हम लंबे समय से फ्रांस के खिलाफ नहीं खेले हैं। वह एक अच्छी टीम हैं और इसमें कोई शक नहीं है कि यह हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण मैच होगा। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान अच्छी हॉकी खेलने, अपने कौशल को दिखाने और अहम मौके पर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर रहेगा ... हम अपना 100 प्रतिशत देंगे और उम्मीद है कि जीत के साथ अभियान शुरू करेंगे। भारत नौ फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका एक बेहतरीन टीम है। वह दुनिया की टॉप 10 टीमों मे शामिल है और किसी भी दिन किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं, इसलिए आप उन्हें कम नहीं आंक सकते। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक कड़ी चुनौती होगी। हम दक्षिण अफ्रीका जैसी अच्छी टीम का सामना करने के लिए उत्साहित हैं। 2 दिन के ब्रेक के बाद भारत 12 फरवरी को एक बार फिर फ्रांस और 13 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

मिस्र को हराकर सेनेगल ने पहली बार अफ्रीकी नेशंस कप जीता

याओंडे।

सादियो माने के गोल की सहायता से सेनेगल ने पहली बार अफ्रीकी नेशंस कप फुटबॉल खिताब जीता है। इस मैच में स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह नाकाम रहे और सेनेगल ने शूटआउट में मिस्र को 4-2 से हराया। माने ने पेनल्टी शूटआउट में गोल दागकर मैच में सेनेगल को जीत दिलाई। इस मैच में निर्धारित समय तक कोई भी टीम जीत हासिल नहीं कर पायी थी। सेनेगल को इससे पहले दो बार अफ्रीकी नेशंस कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। तीन साल पहले मिस्र के हाथों ही उसे हार का सामना करना पड़ा था जिसका बदला अब माने ने लिया है। माने ने सेनेगल की जीत के बाद अपने साथी खिलाड़ियों के साथ जमकर जीत का जश्न मनाया। वहीं मिस्र की हार से सालाह निराश थे। माने और सालाह दोनो ही इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हैं।

टी20 विश्वकप 2022 के लिए टिकटों की बिक्री शुरु

दुबई । ऑस्ट्रेलिया में पहली बाहर होने जा रहे टी20 विश्व कप के लिए टिकटों की बिक्री शुरु हो गयी है। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इसके लिए टिकट टी20 विश्व कप डॉट कॉम पर उपलब्ध हैं। इसके जरिये फाइनल के साथ ही सभी 45 मैचों के लिए टिकट खरीदे जा सकेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'बच्चों के टिकट पहले दौर और सुपर 12 चरण के लिए पांच डॉलर के हैं जबकि वयस्कों के टिकट 20 डॉलर के हैं। यह मैच एडीलेड, ब्रिसबेन, जीलोंग, होबार्ट, मेलबर्न, पर्थ और सिडनी में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच ने कहा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप शानदार होगा। यह हमारे लिये सम्मान की बात है कि अपने दर्शकों के सामने हम खिताब बरकरार रखने का प्रयास करेंगे। 2015 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप और पिछले साल महिला टी20 विश्व कप में घरेलू दर्शकों ने जिस प्रकार टीम का हौंसला बढ़ाया था। उसका टीम की सफलता में अहम योगदान था।

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

सहवाग का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में 60 रनों की पारी खेलने के साथ ही पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम इंडिया की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर रोहित अब सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। इस मैच के बाद रोहित के अब एकदिवसीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 7298 रन हो गये हैं जबकि सहवाग के 7240 एकदिवसीय रन दर्ज हैं। रोहित से आगे अब सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ही रह गए हैं। रोहित ने 2011 से लेकर 2022 के बीच भारत की ओर से 144 मैचों में पारी की शुरुआत की है और इस दौरान उन्होंने 57.46 के शानदार औसत और 92.35 के स्ट्राइक रेट से कुल 7298 रन बना लिए हैं।

वहीं सहवाग ने भारत की ओर से 2001 से 2013 के बीच 204 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में पारी की शुरुआत करते हुए 36.93 के औसत और 104.85 के स्ट्राइक रेट से कुल 7240 रन बनाए हैं। इस सूची में शीर्ष पर सचिन हैं, जिन्होंने 1994 से 2012 के बीच भारत के लिए 344 एकदिवसीय मैचों में पारी का आगाज किया और इस दौरान उनके बल्ले से 15310 रन निकले, दूसरे नंबर पर सौरव गांगुली हैं, जिन्होंने 242 एकदिवसीय मैचों में 9146 रन बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बार्सीलोना ने स्पेनिश लीग में एटलेटिको को हराया

मैड्रिड । बार्सीलोना ने स्पेनिश लीग फुटबॉल में एटलेटिको मैड्रिड को 4-2 से हराकर अपनी हार के सिलसिले को रोक दिया। इससे पहले बार्सीलोना को पिछले पांच मैचों में लगातार हार का सामना करना पड़ा था। एटलेटिको पर जीत के साथ ही बार्सीलोना अब चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। इसी के साथ ही उसने तीसरे दौर के बाद पहली बार चैम्पियंस लीग क्वालीफिकेशन की दौड़ में अपनी वापसी की है। बार्सीलोना ने दो साल के बाद किसी मुकाबले में के बाद पहली बार एटलेटिको को पराजित किया है। इससे पहले उसने दिसंबर 2019 में एटलेटिको को हराया था। वहीं रीयाल मैड्रिड ने एक अन्य मुकाबले में ग्रेनाडा को 1-0 से हराकर शीर्ष पर अपनी जगह और पक्की की है। वहीं दूसरे स्थान पर चल रही सेविला उससे छह अंक पीछे है।

पुराने रूप में वापसी करना चाहते हैं तेज गेंदबाज नटराजन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बांए हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने कहा है कि वह कोविड 19 और चोट के कारण 2021 का अधिकांश सीजन छोड़ने के बाद अब पुराने नटराजन के रूप में वापसी करना चाहते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के पहले चरण के दौरान नटराजन के घुटने में चोट लग गई थी। इस कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। जब वह यूएई में खेले गए दूसरे चरण से पहले वह कोविड19 से संक्रमित हो गए थे। उन्होंने क्रिकइन्फो से कहा, 'मैंने पहले आईपीएल और फिर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लोग मुझसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। एक या दो मैच खेलने के बाद, मैं अपनी लय में आ जाऊंगा। मैं अब तरोताजा महसूस कर रहा हूं। फिलहाल मैं अपने यॉकर्र और कटर पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जिसने अतीत में मेरे लिए अच्छा काम किया। मैं पुराने नटराजन के रूप में वापस आना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'इस साल आईपीएल और टी 20 विश्व कप होने वाला है, लेकिन मैं सिर्फ अपनी ताकत पर ध्यान देना चाहता हूं और कड़ी मेहनत करना चाहता हूं। अगर मैं ऐसा करता हूं, तो बाकी चीजें ठीक हो जाएंगी। मैं लंबे ब्रेक के बाद वापस आ रहा हूं, इसलिए घबराहट होगी। अगर मैं कहूं कि मैं नर्वस नहीं हूं तो यह झूठ होगा। उल्लेखनीय है कि 2021 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान तेज गेंदबाज को चोट लग गई थी। परिणामस्वरूप उन्हें आईपीएल के पहले चरण से बाहर कर दिया गया था। वह तमिलनाडु की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2021 में सैयद मुश्ताक अली टी20 खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था, लेकिन वह घुटने की समस्या के कारण दिसंबर में 50 ओवर की विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेल सके थे।

बोपन्ना और रामकुमार ने टाटा ओपन जीता

पुणे ।

भारत के रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन की जोड़ी ने टाटा ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। इस जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की ल्यूक सैविल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराया। यह इस जोड़ी का दूसरा एटीपी विश्व टूर खिताब है।

बोपन्ना और रामकुमार ने खिताबी मुकाबले के पहले सेट में पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए एक घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले को 6-7(10) 6-3 10-6 से जीता। बोपन्ना और रामकुमार ने पिछले महीने भी एडिलेड स्पर्धा में पहली बार एटीपी टूर खिताब जीता था। बोपन्ना के करियर का यह 21 वां एटीपी युगल खिताब है जबकि रामकुमार के लिए यह यह दूसरी ट्रॉफी है। इस खिताब की जीत से रामकुमार अपने करियर में पहली बार युगल में शीर्ष-100 रैंकिंग में पहुंचेंगे। यह जोड़ी को 16370 डॉलर (लगभग 12.22 लाख रुपए) की पुरस्कार राशि के साथ ही 250-250 रैंकिंग अंक भी मिलेंगे। बोपन्ना ने साल 2019 में अपने ही देश के दिविज शरण के साथ इस प्रतियोगिता को जीता था। बोपन्ना 41 साल की उम्र में भी अपना शानदार खेल जारी रखे हुए है।

उन्होंने इस जीत के बाद कहा कि अनुभव से चीजें आसान हो जाती है। कई वर्षों के अनुभव की सबसे बड़ी बात यह है कि मेरा शरीर इस समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। वहीं रामकुमार ने कहा कि वह अब दुबई में एटीपी 500 स्पर्धा में खेलना चाहते हैं और इसके लिए बेंगलुरु में आने वाले दो चैलेंजर्स टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

आरसीबी के कप्तान बनने की दौड़ में हैं ईशान , अय्यर शामिल

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में युवा विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के नये कप्तान बन सकते हैं। इससे पहले विराट कोहली ने 14 वें सत्र में ही कहा था कि अगले सत्र से वह कप्तान नहीं रहेंगे। साथ ही कहा था कि वह एक बल्लेबाज के तौर पर ही टीम के साथ रहेंगे। इस बीच टीम ने एक वीडियो में बताया कि कौन से खिलाड़ी टीम के कप्तान बन सकते हैं। इसमें युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान का नाम भी शामिल है। आरसीबी के वीडियो में कप्तानी के पांच दावेदारों के नाम हैं। इसमें श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। अय्यर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे थे। आईपीएल 2019 में उन्होंने टीम को टॉप-4 में जगह दिलाई थी। अय्यर के अलावा वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर का नाम भी दावेदारों में शामिल है। होल्डर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही अच्छा प्रदर्शन करते हैं। तीसरे दावेदार इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान ऑयन मॉर्गन हैं। मॉर्गन की कप्तानी में ही टीम ने साल 2019 में विश्व कप जीता था। वह पिछले सत्र में केकेआर के कप्तान थे। वहीं ईशान पिछले सत्र में मुंबई इंडियंस में शामिल थे। वह अंडर-19 टीम के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में 2016 में टीम विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। ईशान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मैच में अंतर पैदा करते हैं। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कप्तान रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल भी कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं।

दूसरे एकदिवसीय में नहीं मिलेगा ईशान को अवसर , राहुल की होगी वापसी

मुम्बई ।

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में सलामी जोड़ीदार के तौर पर रोहित शर्मा के साथ भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दी थी पर इसके बाद भी दूसरे एकदिवसीय में उन्हें यह अवसर नहीं मिलेगा। इसका कारण लोकेश राहुल की टीम में वापसी रहेगी। राहुल निजी कारणों से पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं थे। इसी कारण ईशान को टीम में जगह मिली थी। ईशान ने कप्तान रोहित के साथ भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दी थी। इस जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 84 रन बनाये थे। ईशान ने 36 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की सहायता से 28 रन बनाए थे। राहुल इस सीरीज के लिए उपकप्तान बनाये गये हैं। वह दूसरे एकदिवसीय से टीम में वापसी करेंगे। वहीं अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और श्रेयस अय्यर कोविड-19 वायरस से संक्रमित हुए थे। इसी के चलते वह इस सीरीज के तीनों एकदिवसीय मैच नहीं खेलेंगे। उनके अलावा युवा ऋतुराज गायकवाड़ भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। वह भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

रोहित के साथ इंटरव्यू में चहल ने किया खुलासा, कहा- गुगली है मेरा मजबूत हथियार

अहमदाबाद ।

भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने रविवार को यहां वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में 100वां वनडे विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने साइड-आर्म गेंदबाजी पर काम किया है और गुगली गेंद उनका मजबूत हथियार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को ट्विटर पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें रोहित मैच के बाद चहल का साक्षात्कार लेते नजर आ रहे हैं। इसमें चहल ने रोहित द्वारा 100 वनडे विकेट की उपलब्धि हासिल करने के बाद कैसा महसूस होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक अच्छा अहसास है। मेरे करियर ने उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं वनडे में 100 विकेट लेने में सफल रहा हूं, यह एक बड़ा क्षण है। यह नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में यह उपलब्धि हासिल कर लूंगा। मैंने अपने एंगल बदल लिए हैं। दूसरे गेंदबाज साइड-आर्म गेंदबाजी करते थे, इसलिए जब मैं टीम में नहीं था तो मैंने इस पर काम किया।' रोहित ने साक्षात्कार के अंत में चहल को बधाई देते हुए कहा, 'आप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, मैं चाहता हूं कि आप भी इसी मानसिकता के साथ खेलें। उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, इसलिए मानसिकता को सही जगह पर रखना जरूरी है।' उल्लेखनीय है कि चहल ने अब 60 वनडे मैचों में 103 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। वह मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के बाद सबसे तेज 100 वनडे विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। चहल की शानदार गेंदबाजी की

बदौलत भारत ने रविवार को वेस्ट इंडीज को पहले वनडे में आसानी से छह विकेट से हरा दिया था।

उन्होंने 9.5 ओवर में 49 रन देकर चार विकेट लिए थे जबकि सफेद गेंद टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित ने 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 51 गेंदों पर 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम अब बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर ही सीरीज का दूसरा मैच खेलेगी।

मिताली के पसंदीदा क्रिकेटरों में सचिन , बुमराह सहित दो ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शामिल

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान मिताली राज के पसंदीदा क्रिकेटरों में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा दो ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट रिकी पोंटिंग और माइकल बेवन भी शामिल हैं। मिताली ने सोशल मीडिया पर एक प्रशंसक के सवाल पर अपने इन पसंदीदा क्रिकेटरों के नाम बताये हैं। वहीं महिला क्रिकेटरों की बात करें तो मिताली ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज कैरेन रोल्टन और पूर्व भारतीय नीतू डेविड के अलावा इंग्लैंड की कैथरीन ब्रंट और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मैग लैनिंग को भी अपनी पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल बताया। मिताली की जिंदगी पर अधारित फिल्म 'शाबास मिट्ठू' भी जल्द रिलीज होने वाली है। मिताली ने साल 1999 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अब तक के अपने दो दशक से अधिक समय के करियर में 220 एकदिवसीय और 12 टेस्ट मैच खेले हैं। उनके नाम टेस्ट में 1 शतक और 4 अर्धशतकों से कुल 699 रन जबकि एकदिवसीय में 7 शतक और 59 अर्धशतकों से 7391 रन हैं। इसके अलावा उन्होंने 89 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 17 अर्धशतक लगाने के साथ ही 2364 रन बनाए हैं।

रूम हीटर चुरा न ले कहीं आपकी त्वचा की नमी

उत्तरी भारत में ठंड का प्रकोप जारी है। जनवरी खत्म होने को है लेकिन ठंड से लोगों का बुरा हाल है। लोग ठंड से बचने के लिए तरह- तरह के उपाय करते हैं जिनमें से एक है रूम हीटर तथा ब्लोअर। इसका प्रयोग करने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। रूम हीटर जहां एक ओर सर्दी से बचाता है वहीं दूसरी ओर इसके कुछ नुकसान भी हैं। इसके प्रयोग से त्वचा रूखी हो जाती है। यदि आप रूम हीटर या ब्लोअर का इस्तेमाल करते हैं तो आपकी त्वचा पर पैचेज या खुजली होना सामान्य बात है। यही वजह है कि इस मौसम में जिस तरह से लोग लगातार डॉक्टरों के पास बुखार, जुकाम, अस्थमा जैसी शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं, ठीक उसी तरह डर्मा सेंटर्स पर भी लोग स्किन से जुड़ी समस्याओं को लेकर पहुंच रहे हैं। इस समस्याओं में प्रमुख हैं- रूसी, खुजली, लाल पैचेज, झु र्रियां पड़ना आदि।

मेडिलिंक्स से डम्रेटोलॉजिस्ट डॉ.पंकज का कहना है कि जो रूम हीटर और ब्लोअर आपको सर्दी से राहत पहुंचाते हैं, वहीं ये आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान भी पहुंचा देते हैं। रूम

हीटर कई बार जानलेवा भी साबित हुए हैं। इस मौसम में देश के कई शहरों में ऐसी घटनायें हुई हैं जब दम घुटने से परिवार के कई सदस्यों की मौत हो गयी। वजह थी रूम हीटर चलाकर सोना। रूम हीटर की गर्मी ऑक्सीजन को सोख लेती है जिससे सां स लेने के लिए हवा नहीं मिल पाती। इसी तरह इसके इस्तेमाल से जहां त्वचा रूखी हो जाती है, वहीं खुजली भी होने लगती है। इससे त्वचा में लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। यहां तक कि त्वचा पर झुर्रियां भी आने लगती हैं। दरअसल, रूम हीटर या ब्लोअर से निकलने वाली हवा स्किन की क्वालिटी खराब कर देती है। इससे स्किन के अंदर मौजूद सोलिंग टिश्यू क्षतिग्रस्त होने लगते है। इससे पिग्मेंटेशन का खतरा भी बढ़ने लगता है।

मेडस्पा के डॉ. अजय कश्यप (डर्मेटोलॉजिस्ट और कॉस्मेटोलॉजिस्ट) का कहना है कि इस साल लगातार पड़ रही सर्दी ने लोगों को बीमार तो किया है, साथ ही स्किन की समस्याओं से भी लोगों को सामना करना पड़ रहा है। लोग थोड़ी सी राहत के लिए रूम हीटर और ब्लोअर का इस्तेमाल करने लगते हैं लेकिन इससे होने वाले खतरे को वे भूल जाते हैं। हाल ही में एक रिसर्च से भी यह बात भी सामने आयी है कि रूम हीटर और ब्लोअर हमारी त्वचा के लिए बेहद खतरनाक हैं। इनके इस्तेमाल से स्किन सीधे तौर पर गरम हवा के कॉन्टैक्ट में आ जाती है और शरीर की नमी सोख लेती है।

डॉक्टर गौरांग कृष्णा (मेडलिंक के डर्मेटोलॉजिस्ट) कहते हैं- रूम हीटर की गर्मी वातावरण से नमी सोख लेती है जिससे सिर्फ त्वचा की ही समस्या नहीं, आंखों में खुजली और त्वचा रूखी हो जाती है। इससे आंखें लाल हो जाती है और आंखों में इंफेक्शन बढ़ जाता है। कभी- कभी तो नाक से खून भी आने लगता है। नवजात शिशुओं की त्वचा पर भी असर पड़ता है और अस्थमा के मरीजों को अक्सर सां स लेने में दिक्कत बढ़ जाती है। इनसे बचने के लिए बेहतर है कि रूम हीटर या ब्लोअर का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक और कम ही करना चाहिए।

कुछ बातों का रखें ध्यान

रूम हीटर का कम से कम इस्तेमाल करें।

स्किन को अच्छे से क्लीन करें और मॉश्चराइज करें।

रूम हीटर का इस्तेमाल करते हैं तो रूम में हवा का रास्ता बनाये रखें जिससे ऑक्सीजन की कमी न होने पाये। बर्तन में पानी भरकर रख सकते हैं जिससे हीटर चलने पर रूम में नमी कम न होने पाये।

खूब पानी पिएं, नहीं तो डिहाइड्रेशन ही सकती है।

सबसे जरूरी बात ये भी है कि स्किन पर अगर किसी तरह के निशान या कोई और दिक्कत आती है तो किसी पार्लर या सलून में जाने की बजाए डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें। ऐसा न करने पर हो सकता है कि किसी तरह के गलत केमिकल या क्रीम के इस्तेमाल से आपकी स्किन पहले से और खराब हो जाए।

रूम हीटर के कारण अक्सर आग लगने की घटनाएं भी हो जाती है। रूम हीटर के आसपास ऐसी कोई भी चीज न रखें जिससे आग लगने का खतरा हो। रूम हीटर का इस्तेमाल एक निश्चित समय तक ही करना बेहतर होता है।

रूम हीटर जिस स्थान पर रखें उसके तीन फीट के दायरे में ऐसी कोई चीज न रखें जिससे आग लगने का खतरा हो।

चेहरे पर भी लाएं वसंत ऋतु का जादू

वसंत ऋतु यानी फूलों का मौसम। इस दौरान फूलों का सौंदर्य पूरी प्रकृति को खूबसूरत बना देता है। इनकी भीनी सी खुशबू आपके पूरे शरीर में ताजगी और नयेपन का अहसास जगा देती है। इन फूलों की तरह आपका भी रूप हरदम खिला–खिला, आकर्षक, कोमल व स्निग्ध बना रहे, इसके लिए कुछ टिप्स

जैस्मीन जैसी फ्रेशनेस- खुद को जैस्मीन यानी चमेली जैसी ताजगी देने के लिए रात भर एक मग पानी में इन फूलों को भिगो कर रख दें, सुबह छानकर नहाने के ठंडे या गुनगुने पानी में मिला लें। इस पानी से स्नान करने से पूरे दिन शरीर में स्फूर्ति और ताजगी बनी रहेगी। इसके अलावा जैस्मीन के फूलों को पानी डालकर पीस लें। इस रस को चंदन पाउडर एवं मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर पेस्ट बना लें और अपने चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से चेहरे पर स्कार्स कम नजर आने लगेंगे।

गुलाब का जादू- लगभग सभी के आंगन में आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले गुलाब के फूल आपकी त्वचा के लिए किसी जादू से कम नहीं। एक लीटर पानी में एक मुट्ठी गुलाब की पंखुड़ियां डाल कर उबाल लें, ऐसा तब तक करें जब तक कि पानी आधा न रह जाएं। इस बचे हुए पानी को ठंडा करके शीशी में रख दें। इस प्राकृतिक टोनर को रुई के फाहे में लेकर सुबह–शाम इससे अपना चेहरा साफ करें, कुछ ही दिनों में चेहरा कांतिमय हो जाएगा। इसके साथ ही अगर आपके चेहरे पर मुंहासे हैं तो कैलेमाइन पाउडर में टोनर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस पैक से मुंहासे कुछ ही दिनों में सूख जाएंगे। हमेशा से ही चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में गुलाबी होंठों की अहम भूमिका रही है। गुलाब की पंखुड़ियों को शहद और मलाई में मिलाकर अपने होठों पर लगाना शुरू कर दें। कुछ ही दिनों में आपके होंठ गुलाबी रंगत से खिल उठेंगे। वहीं रूखी त्वचा को कोमल अहसास देने के लिए गुलाब जल में थोड़ा–सा शहद और नींबू का रस मिलाकर रख लें और सुबह–शाम इसे अपने हाथ व पैरों पर लगाएं। चाहें तो स्नान के बाद इसे पूरे शरीर पर बॉडी लोशन की तरह भी लगा सकती हैं। इस नेचुरल मॉइश्चराइजर से त्वचा को पोषण मिलेगा और त्वचा मुलायम हो जाएगी।

केसरिया निखार- सांवली सूरत को यदि गोरा करने की ख्वाहिश है तो रात को केसर के चार फूल को दो चम्मच दूध में भिग दें और सुबह उसमें चंदन पाउडर और चुटकी भर हल्दी डालकर अपने चेहरे पर मास्क की तरह लगाएं और सूखने पर पानी से धो दें। ऐसा करने से आपकी रंगत कुछ दिनों में खिल उठेगी।

गेंदे में छुपा चिकित्सक उपचार गेंदे का फूल एक तरफ जहां बगिया की खूबसूरती को बढ़ाता है तो वहीं दूसरी तरफ इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक गुण आपकी काया का भी ख्याल रखते हैं। बालों में डैंड्रफ हो तो एक मुट्ठी गें दे के फूल को एक मग पानी में उबाल लीजिए। जब पानी आधा रह जाए तो इस पानी में मेंहदी घोल कर सिर में लगाएं। ऐसा करने से डैंड्रफ कम हो जाएगी। इसके साथ ही फटी एड़ियों पर गेंदे की पत्तियों का रस लगाने से दर्द में राहत मिलती है और एड़ियां सॉ फ्ट हो जाती हैं।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच–बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी– थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

वैक्सिंग करवाते समय रखें ध्यान

त्वचा में आकर्षण और रेशमी अहसास पाने के लिए आमतौर लोग वैक्सिंग की तकनीक को अपनाते हैं। वैक्सिंग करवाते वक्त अगर आप छोटी–छोटी लेकिन जरूरी चीजों को नजरअंदाज कर जाएं, तो आपको शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वैक्सिंग से होने वाली इन परेशानियों से बचने के लिए पर्मानेंट मेकअप एक्सपर्ट और एल्स कॉस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गुंजन गौड़ बता रही हैं कुछ खास टिप्स

➔ वैक्सिंग करवाने से पहले यह जान लें कि आप जिससे वैक्सिंग करवाने जा रही हैं वह वैक्सिंग में एक्सपर्ट है या नहीं क्योंकि वैक्सिंग करने वाले की गलती से आपको बालतोड़ की समस्या हो सकती है।

➔ वैक्सिंग करवाते समय ध्यान दें कि आपकी वैक्सिंग एक्सपर्ट, कपड़े की पट्टी के बदले डिस्पोजेबल स्ट्रिप्स का इस्तेमाल करे। अगर ऐसा नहीं है तो आप ऐसा करने के लिए अपनी ब्यूटीशियन से कहें, क्योंकि कई बार कपड़े की पट्टी से इंफेक्शन का खतरा रहता है। इसके साथ ही वैक्सिंग से पहले प्री–वैक्सिंग जेल का इस्तेमाल जरूर करवाएं।

➔ ध्यान दें कि वैक्स हमेशा बालों की दिशा में लगाई जाए और स्ट्रिप को हमेशा उल्टी दिशा में खींचा जाए, ऐसा करने से बाल जड़ से निकल जाएंगे और जल्दी ग्रोथ भी वापस नहीं आएगी। वैक्सिंग के बाद त्वचा को क्लीन करना चाहिए और पोर्स को बंद करने और दर्द को कम करने के लिए मॉइश्चराइजर या आफ्टर वैक्सिंग जेल से हल्की मसाज करनी चाहिए।

➔ वैक्सिंग से एलर्जी नहीं हो इसके लिए वैक्सिंग के बाद एंटी एलर्जिक पाउडर या लोशन लगा देना चाहिए। अगर आपको वैक्सिंग से एलर्जी है तो आप वैक्सिंग करवाने से पहले ही एंटी एलर्जिक गोली खा सकती हैं।

➔ वैक्सिंग के लिए पार्लर या ब्यूटी क्लीनिक चुनते वक्त साफ- सफाई का विशेष ख्याल रखें। ध्यान दें कि तौलिया एवं वैक्सिंग के लिए इस्ते माल किया जाने वाला चाकू साफ और स्टरलाइज्ड हो।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तबीयत ठीक नहीं लगने पर अस्पताल पहुंची युवती; मेडिकल रिपोर्ट देखते ही महिला के पैरों तले से जमीन खिसक गई

एक अजीबो-गरीब वाकया सामने आ रहा है जिसमें एक महिला ने हैरान कर देने वाली बात लोगों से शेयर किया है। द चैन वेबसाइट के मुताबिक, 20 साल की जेसी अक्सर अपनी लाइफ से जुड़ी वीडियो शेयर करती रहती है। हाल ही में उन्होंने कुछ वीडियो शेयर किया हैं जिसमें उन्होंने एक बेहद दुखद घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि, जब वह 16 साल की थी, तब उसे एक आदमी से प्यार हो गया था। दोनों के संपर्क में आने के 4 महीने ही हुए थे कि उस दिन जेसी को अस्पताल जाना पड़ गया। लड़की को कुछ दिनों से बीमारी जैसा महसूस हो रहा था, इसी को देखते हुए लड़की ने अपना मेडिकल जांच कराया और रिपोर्ट में पता चला कि वह गर्भवती है। बता दें कि, यह एक ऐसी गर्भावस्था है जिसमें चिकित्सकीय जांच के बाद भी गर्भावस्था की पहचान नहीं हो पाती है। इस प्रकार की गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को उल्टी नहीं होती है और यहां तक कि उनका मासिक धर्म भी नहीं रुकता है। जेसी ने यह भी कहा कि उस समय कई लोग उनकी आलोचना करने लगे थे। जेसी ने बताया कि उसने गर्भवती होने से पहले एंटीडिप्रेसेंट दवा ली थी। लेकिन उस वक्त कोई हिंट नहीं था ट्रोलर्स को सही जवाब देने के लिए उन्होंने एक और वीडियो में कहा कि उस वक्त उनके बॉयफ्रेंड ने उनका साथ दिया था और वे दो साल से साथ थे। इतना ही नहीं उनका बच्चा इस समय 18 महीने का है। उन्होंने एक साथ एक घर तक खरीद लिया है।

अफगानिस्तान से गोलीबारी में 5 पाक सैनिक मारे गए, टीटीपी ने ली हमले की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में सीमा पार से पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों के हमले में कम से कम पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार अफगानिस्तान में आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सैनिकों पर गोलीबारी की। उसने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया और खुफिया रिपोर्टों के अनुसार आतंकवादियों को काफी नुकसान हुआ है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

नेपाल में कोविड के मामलों में कमी आने के बाद स्कूल खोलने की मांग

काठमांडू। नेपाल में कोविड-19 के मामलों में कमी आने के बाद पिछले कुछ सप्ताह से बंद स्कूलों में सामान्य रूप से कक्षाएं शुरू करने की मांग रविवार को की गई। शिक्षकों का कहना है कि ऑनलाइन शिक्षा हिमालयी राष्ट्र के शहरी हिस्से में रहने वालों को ही उपलब्ध है और स्कूल बंद रहने के कारण बड़ी संख्या में छात्रों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। कोरोना वायरस के सामान्य और ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के मामले पिछले कुछ सप्ताह में अपने चरम पर थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनमें कमी आयी है। प्राइवेट एंड बोर्डिंग स्कूल्स ऑर्गेनाइजेशन नेपाल (नेपाल के निजी एवं आवासीय स्कूलों के संगठन) के अध्यक्ष टीका राम पुरी ने कहा, 'हम स्कूल खोलने के लिए तैयार हैं, छात्र वापस जाने को तैयार हैं, अभिभावक अपने बच्चों को (स्कूल) भेजने को तैयार हैं और कोविड के मामलों में भी कमी आयी है, ऐसे में सरकार के पास स्कूलों पर पाबंदी (सामान्य कक्षाएं बंद करने) की कोई वजह नहीं है।' पुरी ने कहा कि वे चाहते हैं कि स्कूल अगले सप्ताह से खोल दिए जाएं। उच्च विद्यालय में विज्ञान की शिक्षिका संगीना गोम्जा का कहना है, 'शिक्षा का स्तर गिर रहा है और शिक्षा को लेकर छात्रों का विचार बदल रहा है, क्योंकि स्कूल बार-बार लंबे समय के लिए बंद हो रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'गांवों के छात्रों को पिछले दो साल में बमुश्किल ही कोई शिक्षा मिली है।' नेपाल में छात्रों ने रविवार को बसंत पंचमी के अवसर पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा की और मंदिरों में देवी के दर्शन किए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, वसंत पंचमी के बाद वसंत ऋतु की शुरूआत होती है। 12वीं की छात्रा रूबिता कार्की ने कहा, 'स्कूल जल्दी खोले जाने चाहिए क्योंकि हम छात्रों को तमाम समस्याएं आ रही हैं जैसे इंटरनेट सेवा बाधित होना, बिजली चली जाना, घर में शोर-शराबा, इससे पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती है।' उनका कहना है, 'स्कूल खोलने की जरूरत है लेकिन मास्क लगाना और सेनेटाइजर का उपयोग करना, अनिवार्य होना चाहिए।' हालांकि कुछ छात्र अभी भी चिंतित हैं। सामाजिक कार्य विषय की कॉलेज की छात्रा अप्सरा श्रेष्ठ का कहना है कि कोरोना वायरस संक्रमण अभी भी चिंता का विषय है और वह फिर से स्कूल खोले जाने के खिलाफ हैं। उन्होंने सवाल किया, 'क्या होगा अगर कोई छात्र बीमार हो जाए या फिर उसकी मौत हो जाए?' नेपाल में अभी तक कुल 52 फीसदी आबादी का पूर्ण टीकाकरण हुआ है। इसमें 12 साल और उससे ज्यादा आयु के बच्चे, वयस्क और बुजुर्ग सभी शामिल हैं।

यूक्रेन सीमा पर तनाव के बीच अमेरिका ने पोलैंड में भेजे एलीट सैनिक

वारसॉ। यूक्रेन के साथ लगती सीमा के समीप दक्षिणपूर्वी पोलैंड में रविवार को एलीट अमेरिकी सैनिक और उपकरण पहुंचाए गए। राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आशंका के बीच वहां 1,700 सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैकड़ों और सैनिकों के जेस्जोव-जेसोन्का हवाईअड्डे पर पहुंचने की संभावना है। अमेरिकी सेना का बोइंग सी-17 ग्लोबमास्टर विमान कुछ दर्जन सैनिकों और वाहनों को लेकर आया है। उनका कमांडर मेजर जनरल क्रिस्टोफर डोनाहु है, जो 30 अगस्त को अफगानिस्तान छोड़ने वाला आखिरी अमेरिकी सैनिक था। डोनाहु ने हवाईअड्डे पर कहा, 'पोलैंड में यहां हमारा राष्ट्रीय योगदान यूरोप में हमारे सभी सहयोगियों के साथ हमारी एकजुटता दिखाता है और जाहिर तौर पर अनिश्चितता की इस अवधि के दौरान हम जानते हैं कि हम एक साथ बहुत मजबूत हैं।' बाइडन ने पोलैंड, रोमानिया और जर्मनी में अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक तैनात करने का आदेश दिया है ताकि सहयोगियों और शत्रुओं दोनों को रूस तथा यूक्रेन में बढ़ते तनाव के बीच नाटो के पूर्वी हिस्से के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दिखाया जा सके। नाटो के पूर्वी सदस्य पोलैंड की सीमा रूस और यूक्रेन दोनों के साथ लगती है। रोमानिया की सीमा यूक्रेन के साथ लगती है। पोलैंड में 2017 से करीब 4,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

ओटावा के मेयर ने कोरोना प्रतिबंधों को लेकर प्रदर्शनों के बीच आपातकाल की घोषणा की

टोरंटो । ओटावा में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच कनाडा की राजधानी ओटावा के मेयर जिम वाटसन ने आपातकाल की घोषणा कर दी। इस बीच कनाडा में अमेरिका के एक पूर्व राजदूत ने कहा कि अमेरिकी समूहों को कनाडा के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करना बंद कर देना चाहिए। मेयर जिम वाटसन ने कहा कि यह घोषणा सरकार के विभिन्न स्तरों से सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करती है। इससे शहर को सेवाओं की खरीदारी एवं आपूर्ति के लिए अतिरिक्त सहयोग मिलेगा, जिससे अग्रिम मोर्चे के कर्मियों के लिए आवश्यक उपकरण खरीदने में मदद मिल सकती है।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए।

शी ने ओलंपिक कूटनीति के तहत पोलैंड और पाकिस्तान के नेताओं के साथ बैठकें की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेल के मौके पर उससे इतर कूटनीतिक अभियान के तहत पोलैंड और पाकिस्तान के नेताओं के साथ रविवार को भेंटवार्ता की। शी ने पोलैंड के राष्ट्रपति एंड्रेजी डूडा से कहा कि चीन पोलैंड के साथ अपने रिश्ते और बेहतर करना चाहता है क्योंकि दोनों देशों के बीच गर्मजोशी वाला संबंध (चीन के) मुख्य प्रतिद्वंद्वी अमेरिका के कारण नहीं स्थापित नहीं हो पाया है। पोलैंड, यूरोपीय संघ का एकमात्र देश है जिसने ओलंपिक का अमेरिका नीत कूटनीतिक बहिष्कार के बाद भी अपने निर्वाचित नेता को बीजिंग भेजा है। चीन और पोलैंड के नेताओं के बीच यह भेंटवार्ता यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका के बीच हुई है। नाटो के सदस्य देश पोलैंड की लंबी सीमा यूक्रेन से लगी हुई है। वर्ष 2019 से चीन से बाहर नहीं गये शी ने हाल के दिनों में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई वैश्विक नेताओं के साथ बैठक की है। चीन रूस के साथ घनिष्ठ अनौपचारिक गठबंधन बना रहा है। ये बैठकें शी की खुद को वैश्विक कूटनीति में एक बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने और चीन के सबसे बड़े दल के निरंकुश राजनीतिक मॉडल को अमेरिका नीत दीर्घकालिक वर्चस्ववादी उदार वैश्विक व्यवस्था के विकल्प के रूप में सामने रखने की कोशिश के बीच हुई है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार ग्लोबल टाईम्स के अनुसार शी ने डूडा से कहा कि दोनों देशों को ह्य एक-दूसरे के मुख्य हितों एवं बड़ी चिंताओं का सम्मान करना चाहिए और उन्हें समझना चाहिए।' वैसे तत्काल डूडा की ओर कोई बयान नहीं आया है। हालांकि वारसा में उनके विदेश नीति सलाहकार जाकुब कुमोच ने कहा कि पोलैंड 'चीन के साथ यथासंभव अच्छा रिश्ता चाहता है और हम चीनी पक्ष में ऐसी ही अभिरूचि देख सकते हैं।' पोलैंड, हंगरी और सर्बिया को यूरोप में चीन के लिए पिछले दरवाजे के रूप में देखा जाता है।

ब्रिटेन की महारानी बेटे प्रिंस चार्ल्स के राजतिलक पर बहू कैमिला को देंगी कोहिनूर से जड़ा मुकुट

लंदन (एजेंसी)

राजशाही परंपरा वाले देश ब्रिटेन को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के नेतृत्व में शासन करते 70 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर महारानी एलिजाबेथ अपनी बहू कैमिला पार्कर पर मेहरबान हो गई हैं। महारानी एलिजाबेथ ने ऐलान किया है कि उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स के राजा बनने पर कैमिला ही महारानी होंगी। यही नहीं महारानी ने दरियादिली दिखाते हुए दुनियाभर से इकट्ठा किया हुआ, अपना बेशकीमती खजाना भी बहू के हवाले करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि महारानी ने अपनी बहू कैमिला को भारत में मिले कोहिनूर हीरे से जड़ा अपना अनमोल मुकुट भी दे दिया है जिसे वह अपने पति प्रिंस चार्ल्स के राजतिलक के दिन पहनेंगी। प्रिंस चार्ल्स ने राजकुमारी डायना की मौत के बाद कैमिला पार्कर से साल 2005 में शादी रचाई थी। शादी के बाद भी कैमिला को महारानी का दर्जा न देकर 'क्वीन कंसोर्ट' की उपाधि दी गई थी। दरअसल, राजकुमारी डायना को महारानी का दर्जा मिलना था लेकिन उनकी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से मौत के बाद बने बेहद संवेदनशील माहौल को देखते हुए कैमिला को महारानी का दर्जा नहीं दिया गया। इसी वजह से वह प्रिंसेस ऑफ वेल्स की उपाधि धारण नहीं कर पाईं।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अब कहा है कि प्रिंस चार्ल्स के महाराज बनने पर 'डचेज ऑफ कॉर्नवाल' कैमिला महारानी होंगी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने शनिवार को राष्ट्र के नाम अपने 'प्लेटिनम जुबली' संदेश में कैमिला का समर्थन किया और शाही घराने के भविष्य को आकार दिया। महारानी ने अपनी 'इच्छा' जताते हुए कहा कि प्रिंस चार्ल्स के महाराज बनने पर कैमिला को 'क्वीन कंसोर्ट' के रूप में जाना जाएगा। ताजपोशी के 70 साल पूरे होने पर एलिजाबेथ द्वितीय ने अपनी बहू कैमिला को लेकर अपनी आशाओं को व्यक्त किया। 95 वर्षीय महारानी ने लिखित संदेश में कहा, 'मैं आपके समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद व्यक्त करना चाहती हूं। आपने मेरे प्रति जो निष्ठा और स्नेह दिखाया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। समय आने पर जब मेरा बेटा चार्ल्स महाराज बनेगा, तो मुझे उम्मीद है कि आप उसे और उसकी पत्नी कैमिला को वही समर्थन देंगे, जो आपने मुझे दिया है और मेरी इच्छा है कि जब वह समय आएगा, तो कैमिला को 'क्वीन कंसोर्ट' के रूप में जाना जाए।'

कनाडा में एंटी-वैक्सीन प्रोटेस्ट पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर, ओटावा में इमरजेंसी लागू

लंदन (एजेंसी)

कनाडा में हजारों ट्रक ड्राइवर्स और आम नागरिकों का काफिला चल रहा है। जिसे फ्रीडम कॉन्वाय का नाम दिया गया है। ये छोटे शहरों से निकलकर राजधानी ओटावा में दाखिल हो चुका है। लोगों ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और कनाडा की संसद को भी घेर लिया और अपनी मांगें पूरी होने तक वहीं बने रहने का दावा भी किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच कनाडा की राजधानी ओटावा के मेयर जिम वाटसन ने रविवार को आपातकाल की घोषणा कर दी है। मेयर जिम वाटसन ने अपने बयान में कहा कि देश में चल रहे प्रदर्शन से लोगों की सुरक्षा को गंभीर खतरा है। इसके लिए अदालत और सरकार के समर्थन की आवश्यकता है। इसलिए आपातकाल की घोषणा की जा रही है। जिम वाटसन ने कहा कि यह घोषणा सरकार के विभिन्न स्तरों से सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करती है। इससे शहर को सेवाओं की खरीदारी एवं आपूर्ति के लिए अतिरिक्त सहयोग मिलेगा, जिससे अग्रिम मोर्चे के कर्मियों के लिए आवश्यक उपकरण खरीदने में मदद मिल सकती है। ओटावा में सप्ताहांत में फिर से हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। शहर में पिछले सप्ताहांत से लोग प्रदर्शन कर रहे है। अमेरिकी सीमा पार करने के लिए वैक्सीन अनिवार्य कर दी गई है। ट्रक ड्राइवर वैक्सीन की अनिवार्यता का विरोध कर रहे हैं। कनाडा की राजधानी ओटावा में हजारों की सख्या में ट्रक ड्राइवर और प्रदर्शनकारी एकट्ठा हुए। नाराज प्रदर्शनकारियों ने पीएम ट्रूडो के आवास को घेर लिया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ट्रक ड्राइवर्स ने अपने करीब 70 किलोमीटर लंबे काफिले को फ्रीडम कॉन्वाय का नाम दिया।

ओलंपिक के बीच चीन का कहर, वियतनाम सीमा के पास 35 लाख लोगों को किया जेल में बंद

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

चीन की राजधानी बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक की शुरूआत हो चुकी है। इसी बीच चीन की सरकार ने अपनी जनता पर खतरनाक अत्याचार करना शुरू कर दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के लोग अपने ही देश में रहने से डर रहे है और उनका जीना मुहाल हो गया है। शी जिनपिंग की सरकार ने कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए देश की जनता पर काबू करने की कोशिश कर रही है। कोरोना के नाम पर चीन ने वियतनाम की सीमा पर स्थिति एक शहर में करीब 35 लाख लोगों को अत्यधिक सख्त लॉकडाउन में बंद कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोई भी अपने घर से बाहर नहीं निकल सकता हैं। इस शहर में 70 कोरोना मरीजों के मिलने के बाद चीन की सरकार ने दुनिया का सबसे सख्त लॉकडाउन लगाया है। दक्षिणी गुआंग्शी क्षेत्र के लगभग 22 शहरों में काफी सख्त लॉकडाउन लगाया गया है। वहीं चीन की सरकार जीरो कोविड पॉलिसी को हटाने का नाम ही नहीं ले रहे है। दक्षिणी गुआंग्शी क्षेत्र के अधिकारियों ने इस सख्त लॉकडाउन की घोषणा करते हुए कहा कि, कोई भी लोग अपने घर से नहीं निकलेंगे और न ही किसी को शहर से बाहर जाने की इजाजत होगी।

इतनी सख्ती का कारण?

इतनी सख्ती बढ़ाने को लेकर दक्षिणी गुआंग्शी क्षेत्र के उप-महापौर गु जुनयान ने कहा कि, शहर में यातायात नियंत्रण लागू कर दिया गया है और किसी को भी शहर के बाहर कार निकालने की इजाजत नहीं होगी। वहीं बाहर को लोग भी शहर के अंदर नहीं आ सकते है। कर्मचारियों को लोगों को काबू करने के आदेश जारी कर दिए गए है। इस घरेलू कारावास में बंद लोगों का साथ काफी अत्याचार हो रहा है। वह न कहीं बाहर जा सकते है और न ही घर से बाहर निकल सकते है।

यह है चीन के 22 शहर जहां लगा हुआ है सख्त लॉकडाउन

बता दें कि, चीन का 22 शहर वियतनाम की सीमा से करीब 62 मील यानि 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और शुक्रवार को ही कोरोना का पहला मामला सामने आया है। यह मरीज नए साल का जश्न मनाने शहर आया था और उसके जरिए कई लोगों को कोरोना हो गया।

पाकिस्तानी लोगों की सबसे पसंदीदा कलाकार थीं लता मंगेशकर, सबके दिलों पर करती थी राज

इस्लामाबाद/लाहौर। (एजेंसी)

पाकिस्तान में जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें 'उपमहाद्वीप की स्वर-कोकिला' एवं ह्यस्वर साम्राज्ञीह्ल बताया और कहा कि वह पाकिस्तानी लोगों की सबसे पसंदीदा कलाकार थीं एवं सदैव उनके दिलों पर राज करेंगी। मंगेशकर (92) कारविवार सुबह आठ बजकर दस मिनट पर मुम्बई के एक अस्पताल में निधन हो गया। पाकिस्तानी नेताओं, कलाकारों, क्रिक्रेटरों और पत्रकारों ने मंगेशकर के निधन पर शोक प्रकट करते हुए इसे 'संगीत की दुनिया के लिए सबसे अंधकारमय दिन' बताया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने गायिका के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उपमहाद्वीप ने दुनिया की एक महान गायिका को खो दिया है। चीन की चार दिवसीय यात्रा पर गए खान ने ट्वीट किया, 'लता मंगेशकर के निधन से उपमहाद्वीप ने दुनिया की एक महान गायिका को खो दिया। उनके गीतों को सुनकर पूरी दुनिया में बहुत सारे लोगों को खुशी मिली है।' गायक-अभिनेता अली जफर ने कहा, 'लता मंगेशकर जी जैसी महान शख्सियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।'

सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट किया, लता मंगेशकर के निधन से संगीत के एक युग का अंत हो गया। लता ने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया और उनकी आवाज का जादू हमेशा बरकार रहेगा। उन्होंने बीजिंग से उर्दू में यह ट्वीट किया जहां वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर गये हैं। चौधरी ने लिखा, जहां भी उर्दू बोली और समझी जाती है, वहां लता मंगेशकर को अलविदा कहने वालों का हुजूम है। उन्होंने अंग्रेजी में भी अलग से ट्वीट किया। उन्होंने कहा, 'महान गायिका नहीं रहीं। लता मंगेशकर मधुर आवाज की रानी थीं जिन्होंने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया। वह संगीत की बेताज रानी थीं। उनकी आवाज आने वाले दिनों में लोगों के दिलों पर राज करती रहेगी।' सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर (सांसद) अली जरदार ने कहा, 'महाद्वीप की स्वरकोकिला लता मंगेशकर सुंदर मधुर आवाज की धनी थीं जो हर संगीत प्रेमी के जीवन का हिस्सा थी। उनकी आत्मा को शांति मिले। वह हमारे दिलों में हमेशा रहेंगी और दुनियाभर में भावी पीढ़ियों को अथाह खुशी देती रहेंगी।' विपक्षी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सीनेटर शीरी रहमान ने कहा कि मंगेशकर सिनेमा का एक युग थीं। उन्होंने कहा, 'उनके निधन की खबर से दुख हुआ। उन्होंने इतने सारे गाने गये कि उनमें से किन्हीं पांच का चुनाव कर पाना असंभव है, सबसे पसंदीदा हैः आज फिर जीने की तमन्ना है,।'

कश्मीर मुद्दे पर हर जगह से दुत्कारे गये को पाकिस्तान को चीन से आस, इमरान खान ने जिनपिंग से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के साथ कश्मीर विवाद को लेकर पाकिस्तान को हर देश द्वारा दुत्कारा जा चुका है लेकिन वह अपनी राग छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहा हैं। आखिर में पाकिस्तान को अपने दोस्त चीन का साथ मिला और आर्थिक तंगी झेल रहा पाकिस्तान चीन की चौखट पर पहुंच गया। चीन के कर्ज में डूबे पाकिस्तान ने चीन में जाकर भारत की बुराई शुरू कर दी। चीन के रिश्ते भले ही भारत से अच्छे नहीं चल रहे हो लेकिन चीन ने पाकिस्तान को एक छोटे से आश्वासन के अलावा और कुछ नहीं दिया। चीन ने अपने बयान में पाकिस्तान से कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर शांति का रास्ता चुन कर विवाद को हल करे। चीन ने रविवार को 60 बिलियन अमरीकी डालर के सीपीईसी निवेश कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ सहयोग का वादा किया और किसी भी 'एकतरफा कार्रवाई' का विरोध करते हुए कश्मीर मुद्दे को ठीक से और शांति से हल करने का आह्वान किया, जो कि स्थिति को जटिल कर सकता है क्योंकि प्रधान मंत्री इमरान खान ने शीर्ष चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। जिसमें राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल हैं। इमरान खान ने चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की धीमी गति और काम कर रहे चीनी कर्मियों पर बार-बार होने वाले हमलों पर बीजिंग की बढ़ती चिंताओं सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रपति शी से मुलाकात की। पाकिस्तान में अपनी विभिन्न परियोजनाओं को लेकर भी बैठक में बात की। सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, खान के साथ अपनी बैठक में शी ने कहा कि चीन राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता, गरिमा की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान का दृढ़ता से समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन सीपीईसी के गहन विकास को आगे बढ़ाने और प्रमुख परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाने को तैयार है।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए खान की चीन यात्रा के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों पक्षों ने दोहराया कि एक शांतिपूर्ण और समृद्ध दक्षिण एशिया सभी पक्षों के सामान्य हित में है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्र में स्थायी शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी बकाया विवादों के समाधान और बातचीत के महत्व पर जोर दिया।'

इमरान खान यहां भी कश्मीर राग अलापने से बाज नहीं आए। उन्होंने चीनी अधिकारियों को कश्मीर की हालिया घटनाओं के बारे में जानकारी दी। इस पर चीन की तरफ से कहा गया कि कश्मीर मुद्दा इतिहास का बचा हुआ विवाद है, जिसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर शांति से हल किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर नवीनतम घटनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें उसकी चिंताओं, स्थिति और इस समय दबाव के मुद्दे शामिल हैं। चीनी पक्ष ने दोहराया कि कश्मीर मुद्दा इतिहास से बचा हुआ विवाद था, और होना

चाहिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर ठीक से और शांति से हल किया गया। चीन किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है जो स्थिति को जटिल करता है। अतीत में, भारत ने पाकिस्तान और चीन के पिछले संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के संदर्भों को दृढ़ता से खारिज कर दिया था और कहा था कि केंद्र शासित प्रदेश के साथ-साथ लद्दाख इसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा।

जुलाई 2021 में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दोनों देशों के एक बयान में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के संदर्भ में आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह भारतीय क्षेत्र में है जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है।

तुष्टीकरण की राजनीति करती है सपा-बसपा, राजनाथ बोले- लोगों के भरोसे को कम नहीं होने देगी बीजेपी

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह भी आज उत्तर प्रदेश में विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। राजनाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है। ये हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई के आधार पर एक दूसरे में नफरत पैदा करने की कोशिश करते हैं। राजनीति जाति, धर्म के आधार पर नहीं बल्कि इंसाफ और इंसानियत के आधार पर की जानी चाहिए।

राजनाथ ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन और पाकिस्तान एक साथ आए हैं। मुझे लगता है कि वह इस तथ्य से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया गया था। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी संघर्ष में भारत की ओर से बड़ी संख्या में हताहतों पर चीन के ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट पढ़कर यहां कुछ लोग खुश हुए। एक रक्षा मंत्री के रूप में, मैं तथ्यों को जानता था। एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार के खोजी पत्रकार ने कहा है कि चीन ने संघर्ष में अपने 50 सैनिकों को खो दिया। इसी कड़ी में राजनाथ ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल जी आपको क्या हो गया है, आप हमारे जवानों की वीरता और पराक्रम पर सवाल उठा रहे हैं? कांग्रेस को इसका मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए।

भारत अब कमजोर भारत नहीं राह गया है। उड़ी और पुलवामा की घटना का बाद हमारी सेना के जवानों ने पाकिस्तान की धरती पर जाकर आतंकवादी ठिकानों का सफाया कर दिया। भारत की सेना आतंकवादियों को इस पार मार सकते हैं और उस पार भी मार सकते हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि पिछली कांग्रेस और सपा सरकारों के दौरान कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। लेकिन बीजेपी के किसी नेता पर ऐसा कोई आरोप नहीं है. हमारी पार्टी जनता को कभी निराश नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में कुछ गलत व्यक्ति हो सकते हैं लेकिन पार्टी कभी गलत नहीं हो सकती। मैं यह दावा नहीं करता कि हमारी पार्टी में हर कोई साफ है, एक व्यक्ति गलत हो सकता है, लेकिन पार्टी गलत नहीं है। बीजेपी आपके भरोसे को कभी कम नहीं होने देगी।

सार समाचार

अभिनेता अक्षय कुमार ने की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात

देहरादून। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को उत्तराखंड का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। खिलाड़ी स्टार ने सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके देहरादून स्थित आवास पर मुलाकात की। इस बैठक के बाद पहाड़ी राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की, 'हमने उन्हें (अक्षय कुमार को) एक प्रस्ताव दिया था, उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। वह उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी काम करेंगे।'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से अक्षय कुमार ने की मुलाकात

अभिनेता अक्षय कुमार ने सोमवार को यहां उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। धामी ने ट्विटर पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने यहां मुख्यमंत्री आवास में कुमार का स्वागत किया। उन्होंने लिखा, 'आज प्रख्यात अभिनेता, युवाओं के प्रेरणास्रोत और मेरे मित्र अक्षय कुमार जी का मुख्यमंत्री आवास में स्वागत एवं अभिनन्दन किया।'

उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर बनें अक्षय कुमार

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिनेता ने राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। करीब एक घंटे की इस मुलाकात के दौरान, धामी ने कुमार को केदारनाथ मंदिर की एक प्रतिकृति और लकड़ी पर उकेरे गए चारों धामों का एक चित्र भेंट किया। इस मौके पर धामी ने अभिनेता को ब्रह्मकमल से सजी उत्तराखंडी टोपी भी पहनाई।

पहाड़ों पर चल रही है अक्षय कुमार की फिल्म की शूटिंग

अभिनेता इन दिनों अपनी एक फिल्म की शूटिंग के लिए मसूरी आए हुए हैं। कुमार ने भी ट्वीट किया, 'प्यार में होना और क्या होता है। हम उत्तराखंड को किसी कारण से देवभूमि कहते हैं। हमने मसूरी में दुनिया की सबसे अलग और खूबसूरत लोकेशन में शूटिंग की।' उन्होंने लिखा, 'लाखों मिले, कोई भी ना तुम सा मिला।' काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार अगली बार बच्चन पांडे में दिखाई देंगे, जो 18 मार्च को स्क्रीन पर आएगी। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित फिल्म में कृति सेनन और जैकलीन फर्नांडीज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, अक्षय की पाइपलाइन में राम सेतु (नुशरत भरूचा के साथ), सेल्फी (इमरान हाशमी के साथ) और पृथ्वीराज (मानुषी छिल्लर के साथ) भी हैं।

अरुणाचल प्रदेश में आये हिमस्खलन में फंसे सेना के सात जवान, तलाशी अभियान जारी

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में रविवार को एक गश्ती दल के हिमस्खलन की चपेट में आने से सेना के सात जवान लापता हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी तेजपुर ने सोमवार को कहा, ₹वर्तमान में खोज और बचाव अभियान जारी है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए विशेष टीमों को एयरलिफ्ट किया गया है।₹ क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से भारी बर्फबारी के साथ खराब मौसम देखा जा रहा है। विरल आबादी वाला, वनाच्छादित कामेंग सेक्टर 14,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है और भूटान और चीन की सीमा में है। घटना कल कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में हुई। सेना ने खोज और बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा है और लापता कर्मियों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है। सेना ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी के साथ खराब मौसम की सूचना मिल रही है। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में हिमस्खलन की चपेट में आए सेना के गश्ती दल को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए विशेष टीमों को एयरलिफ्ट किया गया है। समाचार एजेंसियों के अनुसार, भारतीय सेना के सूत्रों ने कहा, पिछले कुछ दिनों से भारी बर्फबारी के साथ क्षेत्र में खराब मौसम देखा जा रहा है।

गंगा में कितनी लाशें फेंकी गईं राज्य सभा में बोली मोदी सरकार हमारे पास कोई जानकारी नहीं

नई दिल्ली । सरकार ने राज्यसभा में कहा कि दूसरी कोविड लहर के चरम के दौरान गंगा में तैरते हुए शवों की संख्या के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। जूनियर जल शक्ति मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्य सभा में कहा, ₹गंगा नदी में फेंके गए अनुमानित कोविड-19 से संबंधित शवों की संख्या के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। मोदी सरकार के ये कबूलमाना तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन के एक सवाल के जवाब में आया। उन्होंने कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार शवों को निपटाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी मांगी थी। सवालों के जवाब में मंत्री ने कहा कि ₹लावारिस/अज्ञात, जले हुए/आंशिक रूप से जले हुए शव₹ नदी या उसके किनारे पाए गए थे, और ये घटनाएं उत्तर प्रदेश और बिहार के जिलों से सामने आई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय ने (स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन के माध्यम से) संबंधित राज्य सरकारों से शवों और निपटान सहित की गई कार्रवाई पर एक रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उत्तराखंड, झारखंड और बंगाल के मुख्य सचिवों को भी एडवाइजरी जारी की गई। कांग्रेस ने सरकार की इस प्रतिक्रिया पर कड़ा हमला बोलते हुए, वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वर्तमान उत्तर ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों के बारे में पूछे गए प्रश्नों के समान था। ज्ञात हो कि पिछले साल मई-जून में पवित्र गंगा में तैरते हुए शवों की भयावह तस्वीरें सामने आई थीं। माना जाता है कि ये शव कोरोना के मरे लोगों के थे। इन भयावह तस्वीरों ने भारत और यहां तक कि दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इसे ₹गंभीर समस्या₹ कहा था और संबंधित सरकारों को फटकार भी लगाई थी। दूसरी लहर के चरम पर, जब आधिकारिक तौर पर रोजाना 3,000 से 4,000 कोविड से संबंधित मौतें होती थीं तो बिहार और यूपी में गंगा के किनारे सैकड़ों शव तैरते दिखे थे।

एमपी में शराबबंदी के आंदोलन पर नरम हुई उमा भारती, कहा- सबका समर्थन जरूरी है

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अबशराबबंदी के आंदोलन को लेकर नरम पड़ती दिख रही है। उमा भारती ने शराबबंदी को लेकर सोमवार को सभी का समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि मैं कोई तीस मार खान नहीं हूं। बहुत सारे लोग हैं जिनको आंदोलन करना चाहिए। वो लोग क्यों आगे नहीं आ रहे ?

दरअसल उमा भारती ने कहा कि मैं अपनी रणनीति 14 फरवरी के बाद में बताऊंगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा दोनों ही संत व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता उसके बाद भी क्यों शराबबंदी में अड़चन आ रही है। शराबबंदी के खिलाफ मैं अकेली नहीं, 80 फीसदी जनता इसके खिलाफ है। उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि है कि नर्मदा घाटों के किनारे लोग जमकर शराब पी रहे हैं। शराब को लेकर कई और घटनाएं मेरे संज्ञान में आई है। नई शराब नीति पर उमा भारती ने कहा कि हम सरकार से बात करेंगे। शराब के बारे में मुख्यमंत्री शिवराज से ही वक्तव्य देने के लिए कहूंगी। आपको बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मध्य प्रदेश में शराबबंदी का समर्थन करते हुए ऐलान किया था कि वह शराबबंदी करवा कर रहेंगी। उमा भारती ने कहा था कि वो प्रदेश में शराबबंदी के लिए मुहिम चलाएंगी। 15 जनवरी के बाद से उनके नेतृत्व में शराबबंदी का अभियान चलाया जाएगा। और साथ ही साथ इस अभियान में सरकार का भी सहयोग मांगा जाएगा।

रोजगार सृजन के लिए बजट में देंगे 500 करोड़ रुपए, गरीब परिवारों को मिलेगा 6000 प्रतिमाहः प्रियंका

पणजी। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ रैलियां की। कांग्रेस महासचिव ने सोमवार को नवेलिम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो महिलाओं को तमाम सरकारी रोजगार में 30 फीसदी आपको मिलेंगे। मारगांव में वर्किंग वोमेन हास्टल बनाए जाएंगे। गोवा में जब से यह सरकार आई हैं तब से महिलाओं के प्रति अपराध 24 फीसदी बढ़ गया है। ऐसे में इन्हें रोकने के लिए महिला पुलिस स्टेशनों को बढ़ाया जाएगा। स्वयं सहायत ग्रुप चलाने वालों को एक लाख रुपए तक की सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि गोवा का प्रत्येकवासी स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा पाएगा। रोजगार पैदा करने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपए दिलाए जाएंगे। गोवा स्टॉफ सलेक्शन कमीशन की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब गोवा के लिए नीतियां बनाएगी उसे आप लोगों की सहमति के बिना नहीं बनाई जाएंगी। यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। इसमें आप लोग गोवा का भविष्य चुनने जा रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए मेरे दिल में बहुत प्यार है, यह कोई नया प्यार नहीं बल्कि पुस्तो पुराना प्यार है।

इसी बीच उन्होंने अपनी दादी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आप लोगों के सामने खड़े होकर सिर्फ चुनाव की बात करना सही नहीं लगता है क्योंकि हमारा दिल का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि सही निर्णय लेने का समय आ गया है, अगर आप सही निर्णय नहीं लेते हैं तो आपका प्रदेश, संस्कृति, पर्यावरण, छोटे-छोटे कारोबार नहीं बचेंगे। क्योंकि सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होनी चाहिए कि जनता के लिए काम करें। जो यह नहीं करता है वो जनता का नुकसान करता है।

दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसेगी एनआईए

नई दिल्ली (एजेंसी)

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम पर देश की आतंक पर जांच करने वाली सबसे बड़ी एजेंसी एनआईए शिकंजा कसेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से इसके लिए एक नया प्लान तैयार किया गया है। बता दें कि इस लेकर गह मंत्रालय की बड़ी बैठक हुई थी। बैठक के बाद निर्णय लिया गया है, कि दाऊद इब्राहिम और डी कंपनी से जुड़े हुए मामलों की जांच एनआईए को दी जाए।इसके लिए बाकायदा गृह मंत्रालय की तरफ से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है।

एनआईए द्वारा दर्ज प्राथमिकी में दाऊद और उसके सहयोगियों के नामों का उल्लेख किया गया है।इसबारे में एनआईए के अधिकारी के हवाले से कहा है कि दाऊद लंबे समय से पूरे भारत में आतंकी गतिविधियां फैला रहा था। उन्होंने हवाला चैनलों के माध्यम से उन लोगों की आर्थिक मदद की है, जो पूरे भारत में अशांति पैदा करने के लिए उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। एजेंसियां डी-कंपनी की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखकर पाया है कि हाल के दिनों में उन्होंने दंगा जैसी स्थिति पैदा करने के लिए पूरे भारत में लोगों की भर्ती की है। वे राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं और विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसके पहले, भारत भर में होने वाली कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में दाऊद की संलिप्तता के बारे में हमारे साथ बहुत सारी जानकारी साझा की गई थी। वह भारत में लोगों की भर्ती कर रहा है और दंगा जैसी स्थिति पैदा करने के लिए आर्थिक और तार्किक रूप से उनकी मदद कर रहा है।

ओवैसी पर हमला प्रकरण- गंभीरता से हो रही जांच, शीघ्र सुरक्षा लें एआईएमआईएम चीफः गृह मंत्री शाह

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पुनः सत्ता पाने के लिए भाजपा पूरे जोर शोर से प्रचार में जुटी है। इन सब के बीच कुछ दिन पहले एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर फायरिंग हुई थी। इस मुद्दे को संसद में ओवैसी और उनकी पार्टी की ओर से बढ़-चढ़कर उठाया गया था। इसी को लेकर आज गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपना जवाब दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। रूट के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके साथ ही गृह मंत्री ने ओवैसी से तत्काल सुरक्षा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि ओवैसी पहले भी सुरक्षा लेने से मना कर चुके हैं। अमित शाह ने बताया कि इस मामले में फिलहाल 2 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पूछताछ की जा रही है। शाह ने कहा कि त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, उनके पास से दो अनधिकृत पिस्तौल और एक ऑल्टो कार बरामद की गई। फोरेंसिक टीम कार और घटना स्थल की सूक्ष्म जांच कर रही है, साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओवैसी ने तेलंगाना और दिल्ली पुलिस की सुरक्षा लेने से भी मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि ओवैसी का हापुड़ जिले में कोई पूर्व निर्धारित कार्यक्रम नहीं था, उनके आवागमन की कोई सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को पहले नहीं भेजी गई थी। घटना के बाद वह सकुशल दिल्ली पहुंच गए। लेकिन उसके वाहन के निचले हिस्से पर गोली के 3 निशान थे। इस घटना को तीन गवाहों ने देखा। एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले केंद्र सरकार ने प्रमुख मुस्लिम नेता एवं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडो द्वारा 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया। ओवैसी ने 'जेड' श्रेणी सुरक्षा देने की सरकार की पेशकश शुक्रवार को ठुकरा दी थी। ओवैसी ने आरोप लगाया था कि चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से दिल्ली लौटते समय अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि वह सुरक्षित हैं। ओवैसी की कार राष्ट्रीय राजमार्ग 24 के हापुड़-गाजियाबाद खंड पर छिजारसी टोल प्लाजा के करीब थी तभी शाम करीब छह बजे यह घटना हुई।

उत्तराखंड चुनाव में केजरीवाल का दिल्ली वाला दांव, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सब फ्री, 'आप' को वोट देने से होगी 10 लाख की बचत!

नई दिल्ली (एजेंसी)

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव के आखिरी दिनों में पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए उत्तारखंड के सातवें दौरे पर हैं। वे तीन दिन तक तीर्थ नगरी हरिद्वार से पार्टी के चुनाव प्रचार का मोर्चा संभालने वाले हैं। केजरीवाल की तरफ से पार्टी की स्टेट यूनिट से मुलाकात के बाद जनता से कई चुनावी वायदे किए गए हैं। उत्तराखंड का चुनावी मोर्चा संभालने वाले केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश को 24 घंटे बिजली देने का वादा किया है।

दिल्ली वाला मॉडल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरिद्वार में कहा कि सात साल से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। नई पार्टी को पहली बार दिल्ली के लोगों ने मौका दिया। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अभूतपूर्व विकास किया है। सरकारी स्कूल से लेकर अस्पताल तक शानदार कर दिए। ढेरो मोहल्ला क्लिनिक बनाए गए। पहले पॉवर कट लगते थे जबकि बिजली अब चौबीस घंटे आती है। बिजली मुफ्त कर दी गई। बहुत सारे काम दिल्ली के अंदर किए गए। आप अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से दिल्ली में फोन करके पूछो कि केजरीवाल ने कुछ काम किया? अगर कोई कहे कि केजरीवाल ने काम नहीं किया तो उत्तराखंड में भी मुझे वोट मत देना। अगर कोई कहे कि काम किया तभी वोट देना। मैंने दिल्ली की जनता से कहा है कि अगर में 2025 तक यमुना को साफ नहीं कर पाऊं तो मुझे वोट मत देना।

महिलाओं के खाते में 1 हजार रुपए

हरिद्वार में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उत्तराखंड में 10 साल कांग्रेस और 11 साल भाजपा ने राज किया। इतने सालों में भ्रष्टाचार को छोड़कर उत्तराखंड के लोगों ने कुछ नहीं देखा। उत्तराखंड की दुर्दशा के लिए ये दोनों पार्टियां ज़िम्मेदार है। आज उत्तराखंड के अंदर सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। जब तक किसी बेरोजगार को नौकरी नहीं मिलती है उसके लिए 5,000 रुपए का बेरोजगारी भत्ता होगा। 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 रुपए डाले जाएंगे।

पांच साल में लोगों को 10 लाख का फायदा

केजरीवाल ने कहा कि हम शिक्षा फ्री करेंगे। आज अगर एक आदमी के तीन बच्चे हैं। वो अपने बच्चे को प्राइवेट स्कूल भेजता है। कम से कम एक बच्चे का तीन हजार रुपए महीने का तो खर्चा आ ही जाता है। तो ऐसे में उसके नौ हजार रुपए बचेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इस साल दिल्ली के अंदर ढाई लाख बच्चों ने अपने नाम प्राइवेट स्कूल से कटवाकर सरकारी स्कूल में भर्ती करवाया। इसके अलावा हम बिजली फ्री करेंगे, हर एक का इलाज मुफ्त करेंगे।

कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, बोले- विकास पर लगे ब्रेक को डबल इंजन की सरकार ने हटाया

देहरादून। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देहरादून और हरिद्वार के मतदाताओं को विजय संकल्प सभा के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले अपने भूतपूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत जी, जो हमारी उत्तराखंड की धरती के गौरव थे, उनको नमन करता हूं। मैं हर उस वीर को नमन करता हूं, जिन्होंने उत्तराखंड की धरती से प्रेरणा लेकर देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हरिद्वार के जन-जन में जो जोश है, भाजपा को लेकर जो भरोसा है उससे साफ है कि उत्तराखंड का आशीर्वाद पूरी तरह से भाजपा के साथ है। पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की डबल इंजन की सरकार एक बार फिर तय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पारखी जनता जानती है कि ये चुनाव उत्तराखंड राज्य का सपना पूरा करने वाले और उत्तराखंड के निर्माण को छल-साजिश से रोकने वालों के बीच में है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी है, जिसने अपनी सरकार में आने के तुरंत बाद अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य बनाया। दूसरी ओर, वो लोग हैं जिन्होंने उत्तराखंड के निर्माण को रोकने के लिए हर संभव षड्यंत्र किया, जितने हो सकते थे रोड़े अटकाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड हमारे आपके लिए तो देवभूमि है, लेकिन ये लोग उत्तराखंड को अपनी तिजोरी समझते हैं। ईश्वर ने जो प्राकृतिक सम्पदा इसे दी है, जो संसाधन दिये हैं, उन्हें ये लोग लूटते रहना चाहते हैं, अपनी जेबें भरते रहना चाहते हैं। यही इनकी मानसिकता है। लेकिन देवभूमि की देवतुल्य जनता ने ये तय कर लिया है कि अब इन्हें मौका नहीं मिलने वाला है। ये पुण्य प्रदेश अब इन्हें भ्रष्टाचार का पाप नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि जो लोग उत्तराखंड को राज्य के रूप में देखना ही नहीं चाहते थे, वो उत्तराखंड का विकास होते देखना चाहेंगे क्या? जो लोग उत्तराखंड के सपनों को इसलिए मारना चाहते थे ताकि उनकी विरासत चलती रहे, वे अब आपके संसाधनों की लूट बंद कर देंगे क्या? वो लोग कभी नहीं सुधरेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार सीमावर्ती गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कर रही है। इस बजट में भी वाइब्रेंट विलेज नाम से एक योजना का ऐलान किया गया है। इस योजना के तहत सीमावर्ती गांवों में संसाधन और सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी ताकि वहां पर्यटन भी बढ़े।

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जो खुद तो कुछ अच्छा नहीं करना चाहते और कोई दूसरा अच्छा काम कर दे, तो उनके पेट में दर्द होने लगता है। उत्तराखंड को लेकर कांग्रेस पार्टी का यही रवैया रहा है। इनकी इच्छा के खिलाफ उत्तराखंड बन गया तो ये आज तक उससे अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। इन्होंने उत्तराखंड को पीछे धकेलने के लिए देश की सुरक्षा तक को ताक पर रखने में संकोच नहीं किया। ये राज्य हमारा बॉर्डर स्टेट है, यहां के गांव दूसरे देश की सीमा से जुड़े हुए हैं, इसलिए यहां का विकास, यहां के लोगों के जीवन के लिए ही नहीं बल्कि देश की रक्षा के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में डबल इंजन की सरकार होने से चीजें कैसे बदलती हैं, विकास पर लगे हुए ब्रेक कैसे हटते हैं इसका बहुत बड़ा उदाहरण ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम एक दशक पहले शुरू होना था लेकिन पिछली ब्रेक वाली सरकार ब्रेक पर ब्रेक लगाती रही।

उन्होंने कहा कि दिल्ली देहरादून हाइवे का काम भी साल 2000 में शुरू हुआ था, जब ये राज्य बना था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने उसे लटकाकर छोड़ दिया। उत्तर प्रदेश से क्लियरेंस न मिलने का बहाना बनाया गया, जबकि केंद्र में इनकी और उत्तर प्रदेश में इनके भागीदारों की सरकार थी। ये काम भी तब पूरा हुआ जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार आयी। ये ब्रेक लगाने वाले फिर से मौके की तलाश में बैठे हैं। लेकिन अब उत्तराखंड को गति चाहिए, प्रगति चाहिए। उत्तराखंड को लगातार डबल इंजन की सरकार चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए उत्तराखंड का विकास, यहां की सेवा पुण्य का काम है। इसलिए, हम उत्तराखंड और हरिद्वार के लिए काम करते हैं, जी-जान लगाकर काम करते हैं, पवित्र मन से काम करते हैं, जबकि वो अपने 'घर-द्वार' और परिवार के लिए काम करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई